संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

# दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -55 मंगलवार ,26 दिसम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

## मोहन यादव मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार

**मोहन कैबिनेट में 28 मंत्रियों को जगह दी गई है...इसमें 18 कैबिनेट मंत्री,6 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और 4 राज्यमंत्रियों शपथ ली है**

» मोहन मंत्रिमंडल से शिवराज कैबिनेट के कई दिग्गज बाहर

» पहली बार के 13 विधायकों को मंत्री बनाकर सबको चौंकाया

**भोपाल,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सरकार के नवगठित मंत्रिमंडल का स्वरूप पूर्ववर्ती शिवराज सिंह की सरकार से अलग है। इस बार पार्टी ने नए-पुराने चेहरों का समावेश किया है। इसके चलते कई दिग्गज नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। मोहन कैबिनेट में 28 मंत्रियों को जगह दी गई है। इसमें 18 कैबिनेट मंत्री, 6 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और 4 राज्यमंत्रियों शपथ ली है। इस मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर जैसा पहले से ही कयास लगाए जा रहे थे कि कई दिग्गज नेताओं का पत्ता कट सकता है। ठीक वैसा ही हुआ है। मध्य प्रदेश के सबसे सीनियर विधायक और वर्तमान विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर गोपाल भार्गव को भी इस बार निराशा हाथ लगी है। हालांकि जब उन्हें प्रोटेम स्पीकर का पद दिया गया था तभी से माना जा रहा था कि उनका मंत्रिमंडल में शामिल हो पाना मुश्किल नजर आ रहा है। ठीक वैसा ही हुआ है, आपको बता दें गोपाल भार्गव के समर्थकों ने उन्हें सीएम बनाने के लिए भी माहौल बनाया था। मुख्यमंत्री मोहन के कैबिनेट विस्तार में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेहद करीबी माने जाने वाले भूपेंद्र सिंह को इस बार कैबिनेट में जगह नहीं मिली। बता दें वे शिवराज सरकार में कई बड़े मंत्रालयों की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। इसके बाद भी इस बार इन्हें निराशा हाथ लगी है। इसके अलावा शिवराज सरकार में वित्त मंत्री रहे जयंत मलैया भी अब विधायक बन कर रह गए हैं। लेकिन उन्हें मोहन कैबिनेट में जगह नहीं मिली है।

पूर्व विधानसभा स्पीकर गिरीश गौतम को लेकर अटकलें थी इस बार उन्हें राज्यमंत्री बना सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है, इसके साथ ही पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा के हाथ एक बार फिर मायूसी लगी है। तो वहीं सांसद से विधायक बनी रीति पाठक का भी डिमोशन हो गया है। अब वे केवल विधायक बनकर ही रह गई हैं।

### डॉ मोहन यादव मंत्रिमंडल में ये बने मंत्री

**कैबिनेट मंत्री:** 1-प्रदुम्न सिंह तोमर, ग्वालियर 2-तुलसी सिलावट 3- एंदल सिंह कसाना 4-नारायण सिंह कुशवाह, ग्वालियर 5-विजय शाह 6-राकेश सिंह, जबलपुर 7-प्रह्लाद पटेल, नरसिंहपुर 8-कैलाश विजयवर्गीय, इंदौर-1 9-करण सिंह वर्मा, इछावर 10-संपतिया उईके, मंडला 11-राव उदय प्रताप सिंह, गाडरवारा 12-निर्मला भूरिया, पेटलावद झाबुआ 13-विश्वास सारंग, नरेला भोपाल 14-गोविंद सिंह राजपूत, सुरखी सागर 15-इंदर सिंह परमार 16-नागर सिंह चौहान, अलीराजपुर 17-चैतन्य कश्यप, रतलाम 18-राकेश शुक्ला, मेहगांव भिंड राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार ) 19-कृष्णा गौर, गोविंदपुरा भोपाल 20-धर्मेंद्र लोधी, जबेरा दमोह 21-दिलीप जायसवाल 22-गौतम टेटवाल 23-लखन पटेल, दमोह 24- नारायण पवार

**राज्यमंत्री :** 25--राधा सिंह, चितरंगी सीधी 26-प्रतिमा बागरी, रैगांव सतना 27-दिलीप अहिरवार, चंदला छतरपुर 28-नरेन्द्र शिवाजी पटेल, उदयपुरा प्रदेश में पहली बार बन रहे मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल संपतिया उईके निर्मला भुरिया नागर सिंह चौहान चेतन्या कश्यप धर्मेंद्र लोधी दिलीप जायसवाल गौतम टेटवाल लखन पटेल नारायण पवार राधा सिंह प्रतिमा बागरी कृष्णा गौर शामिल हैं।

संसदीय इतिहास में पहली बार संसद के शीतकालीन सत्र में

## सरकार ने नहीं दिए 357 सवालों के जवाब

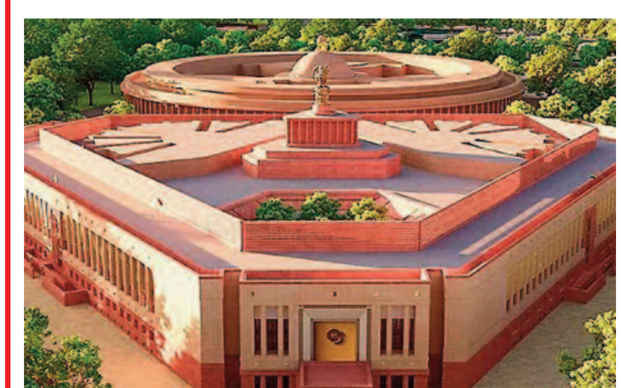

**नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** संसदीय इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार ने 357 सवालों के जवाब ही नहीं दिए। दरअसल लोकसभा के 163 और राज्यसभा के 194 सवालों को संसद की प्रश्न सूची से हटा दिए गए है। बताया जा रहा है कि, ये सभी सवाल इस सत्र के दौरान सदन से निलंबित किए गए 146 सांसदों की ओर से पूछे गए थे। सामान्यतः प्रश्न सूची से सवाल प्रश्नकर्ता के अनुरोध पर ही वापस लिए जाते हैं।

प्रश्नकाल में सवाल पूछने के लिए 10 दिन पहले लिखित नोटिस देना होता है। लोकसभा की हर बैठक में चयनित प्रश्नों को 20 तारांकित और 230 अतारांकित सवालों के रूप में शामिल किया जाता है। राज्यसभा में हर बैठक में 15 तारांकित, 160 अतारांकित प्रश्न शामिल होते हैं जिनका लिखित जवाब दिया जाता है। तारांकित सवालों के जवाब मौखिक रूप से भी दिए जाते हैं, प्रश्नकर्ता अनुपूरक प्रश्न पूछ सकता है।

### दोनों ही सभा से तारांकित और अतारांकित सवाल भी हटाए गए

राज्यसभा में 46 सांसद निलंबित हुए लेकिन 19 से 21 नवंबर के दौरान क्रमशः 43, 45 व 44 सवाल डिलीट किए गए जबकि लोकसभा में आखिरी के तीन दिन 27, 53 वं 52 सवाल प्रश्न सूची से हटा दिए गए। राज्यसभा में पूरे सत्र के दौरान 210 तारांकित सवालों में से 12 और 2240 अतारांकित सवालों में से 182 सवाल हटाए। गए जबकि लोकसभा में 280 तारांकित सवालों में से 12 और 3220 अतारांकित सवालों में से 151 सवाल डिलीट किए गए।

### बिल भेजना भी घटकर 16 फीसदी रह गया

शीतकालीन सत्र के दौरान पेश सभी बिल पारित हो गए। साथ ही पिछले सत्र के सात बिल भी पास हो गए। एक भी बिल संसदीय समिति के पास विचार के लिए नहीं भेजा गया। 15वीं लोकसभा के दौरान 71 फीसदी बिल समितियों के पास भेजे जाते थे जबकि 17वीं लोकसभा के दौरान यह घटकर 16 फीसदी रह गया।

### सांसदों के सवालों को हटाना स्पीकर का विशेषाधिकार

संसदीय प्रणाली के विशेषज्ञ और लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचारी का कहना है कि प्रश्नों को हटाने का कोई नियम नहीं है, यह लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति के विवेकाधिकार पर तय होता है। कोई सदस्य संसद में अनुपस्थित रहता है तो वे प्रश्न हटाए नहीं जाते। निलंबन के मामले में स्पीकर के निर्देश पर यह किया जाता है क्योंकि सदस्य कार्यवाही से ही बाहर रहते हैं।

**संक्षिप्त खबरें**

### सीएम विजयन भी करेंगे मंत्रियों के विभागों में फेरबदल

**तिरुवनंतपुरम ,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के विभिन्न सहयोगियों के बीच 2021 के समझौते के तहत,पिनाराई विजयन सरकार के दो मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है और शुक्रवार को उनके स्थानापन्न मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी।

### दाऊद इब्राहिम को एक और झटका!

**नए साल में होगी मुंबई और रत्नागिरी में मौजूद अंडरवर्ल्ड डॉन की प्रॉपर्टी नीलाम**

**मुम्बई,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** हाल ही में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को कराची में किसी अज्ञात शख्स द्वारा जहर दिए जाने की खबर आई थी, जिसके बाद यह खबर भारतीय मीडिया में छाई हुई थी, लेकिन कुछ दिनों बाद ही इसपर कोई अपडेट नहीं आया, न ही किसी तरह की अधिकारिक पुष्टि हुई। अब एक बार फिर भारत के मोस्ट वांटेड अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल दाऊद के रत्नागिरि के बंगले और आम के बगीचे समेत 4 प्रोपर्टी की नीलामी की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 5 जनवरी 2024 को नीलामी होगी।

**कर्नाटक के मंत्री के बिगड़े बोल**

## किसान चाहते हैं बार-बार सूखा पड़े ताकि कर्ज माफ हो

» राज्य के कृषि मंत्री शिवानंद पाटिल का शर्मनाक बयान

» प्रदेश भाजपा ने किया विरोध, मांगा मंत्री का इस्तीफा

» कुछ मुख्यमंत्रियों ने अपने आप ही कर्ज माफ कर दिए- मंत्री

**बेंगलुरु,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** कर्नाटक के चीनी और कृषि विपणन मंत्री शिवानंद पाटिल ने अपने विवादित बयान में कहा कि किसानों की इच्छा है कि राज्य में बार-बार सूखा आए, ताकि उनकी कर्ज माफी हो जाए। सोमवार को विपक्षी भाजपा ने इसे किसान समुदाय के लिए अपमान करार देते हुए कहा कि उन्हें मंत्रालय से हटाना चाहते हैं।

बेलगावी में रविवार को एक कार्यक्रम में पाटिल ने कहा, कृष्णा नदी का पानी मुफ्त है, करंट भी मुफ्त है। मुख्यमंत्री बीज और खाद भी देते हैं। किसान फिर भी यही चाहेंगे कि बार-बार सूखा पड़े, क्योंकि उनका कर्ज माफ कर दिया जाएगा। लेकिन आप लोगों को इस तरह की इच्छा नहीं रखनी चाहिए। अगर आप ऐसी इच्छा नहीं भी करेंगे तो भी तीन-चार सालों में एक बार सूखा पड़ ही जाएगा।

### कुछ मुख्यमंत्रियों ने अपने आप ही कर्ज माफ कर दिए

इस बात को ध्यान में रखते हुए कि कर्नाटक अब तक के सबसे बड़े सूखे में से एक का सामना कर रहा है और मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने पहले ही मध्यम अवधि के कर्ज के ब्याज को हटा दिया है, मंत्री शिवानंद पाटिल ने कहा कि कुछ मुख्यमंत्रियों ने अपने आप ही कर्ज माफ कर दिए हैं। मुझे यह बताने की जरूरत नहीं कि सिद्दरमैया, कुमारस्वामी या येदियुरप्पा (बतौर सीएम) ने पहले कभी कर्ज माफ किया है या नहीं।

### किसान जब भी मुश्किल में होंगे सरकार बचाव करेगी

शिवानंद पाटिल ने आगे कहा, किसान जब भी मुश्किल में होंगे सरकार उनका बचाव करेगी, लेकिन ऐसा हमेशा कर पाना मुश्किल है। उल्लेखनीय है कि पाटिल ने ही विगत सितंबर में विवादित बयान दिया था कि किसानों की आत्महत्या के मामले तभी से बढ़ गए जब से मृतकों के रिश्तेदारों का मुआवजा दो लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया है।

### भाजपा बयान की कड़ी निंदा की

कर्नाटक सरकार के मंत्री पाटिल के इस बयान को गैर जिम्मेदाराना बताते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार किया। भाजपा नेता ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस और उसकी सरकार का किसानों के खिलाफ रुख बेहद खराब है। वह किसान जो इस देश का पेट भरते हैं उनके खिलाफ ऐसा रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और भाजपा इसकी कड़ी निंदा करती है।

## बलिदानी चंदन अमर रहे...पाकिस्तान मुर्दाबाद...ऐसे नारों से गूंजता रहा इलाका

**गया से नवादा जिला प्रवेश के साथ हीं शहीद चंदन के पार्थिव शरीर पर हिसुआ में हुई पुष्पवर्षा**

**बोधगया,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** जम्मू कश्मीर के पुंछ में आतंकी हमले में शहीद हुए वारसलीगंज के नारोमुरार गांव निवासी आर्मी जवान चंदन कुमार का पार्थिव शरीर ज्योंही गया जिले से नवादा जिले के हिसुआ थाना क्षेत्र में पहुंचा तो प्रखंड वासियों का हुजूम उनके वाहन को रोककर पुष्पवर्षा किया और माल्यार्पण करते हुए शहीद जवान चंदन कुमार अमर रहे के नारे लगाकर नम आंखों से विदायी दिया।हिसुआ के तुंगी मोड़ से नवादा जिला प्रशासन ने रिसीव किया और उनके पैतृक गांव वारिसलीगंज प्रखंड के नारोमुरार में उन्हें अंतिम विदाई के लिए रवाना हुआ।

इसके पूर्व हिसुआ के विश्वशांति चौक पर हजारों की संख्या में रहे लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया। जिसमें भाजपा, बजरंग दल और विद्यार्थी परिषद, किसान मोर्चा के लोगों समेत पुरे प्रखंड भर के लोग शामिल हुए। हिसुआ के पूर्व विधायक माननीय अनिल सिंह के अध्यक्षता में हिसुआ विश्वशांति चौक पर उनके कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा के सैकड़ो कार्यकर्ता एकजुट होकर शहीद चंदन को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

मौके पर मौजूद रोशन कुमार, तरुण कुमार, ज्ञान प्रकाश, डॉ सुनील कुमार, विगन सिंह, किसान मोर्चा के कार्यकर्ता नीरज कुमार निराला, मुरारी सिंह, प्रिंस कुमार पुरुषोत्तम कुमार, रजनीकांत कुमार, सत्यम कुमार, सत्या, प्रशांत, बरुण कुमार गाँधी और छोटू के साथ अन्य हजारों लोग मौजूद थे।

बता दें कि गया से विशेष वाहन से सड़क मार्ग के जरिए शव को पैतृक गांव तक पहुंचाया जाएगा। गांव में अंतिम दर्शन व श्रद्धांजलि सभा के बाद पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जायेगा। शहीद के पैतृक गांव में श्रद्धांजलि सभा में भाग लेने व अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए लोगों का जाना शुरू हो गया है।

### बलिदानी चंदन को हवाई अड्डे पर दी गई सलामी

इससे पहले जम्मू क्षेत्र के पुंछ में गुरुवार को आतंकी हमले में बलिदान जवान नवादा जिले के नारोमुरार गांव के चंदन कुमार का पार्थिव शरीर सोमवार को वायु सेना के विशेष विमान से गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लाया गया।

जहां सैन्य सम्मान के साथ एयरपोर्ट के बाहर जहानाबाद के पूर्व सांसद अरुण कुमार, लोजपा आर के राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार मुन्ना व नवादा से आए लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

## पीएम मोदी,राष्ट्रपति समेत तमाम बड़े दिग्गज,पूर्व पीएम को दी श्रद्धांजलि

**नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की 99वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जीवन पर्यन्त राष्ट्र निर्माण को गति देने में जुटे रहे। पीएम मोदी ने इसके अलावा दिल्ली में स्थित सदैव अटल समाधि स्थल जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी के अलावा समाधि स्थल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत तमाम नेता मौजूद रहे।

### मोदी ने वीडियो शेयर कर किया याद

मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी जयंती पर देश के सभी परिवारजनों की ओर से मेरा कोटि-कोटि नमन। वह जीवनपर्यंत राष्ट्र निर्माण को गति देने में जुटे रहे। मां भारती के लिए उनका समर्पण और सेवा भाव अमृतकाल में भी प्रेरणास्रोत बना रहेगा। बाद में प्रधानमंत्री ने वाजपेयी के स्मारक सदैव अटल जाकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

### तीन बार बने प्रधानमंत्री, 94 साल की उम्र में निधन

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का 1924 में आज ही के दिन जन्म हुआ था। वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापकों में एक थे। वह तीन बार देश के प्रधानमंत्री बने। उनका पहला कार्यकाल 1996 में मात्र 13 दिनों का था। इसके बाद, वह 1998 में फिर प्रधानमंत्री बनें और 13 महीने तक इस पद को संभाला। वर्ष 1999 में वह तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। वह पहले ऐसे गैर-कांग्रेसी नेता बने जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया। उनका 16 अगस्त 2018 को निधन हो गया था।

## तीन संशोधित आपराधिक कानून विधेयकों को राष्ट्रपति मुर्मू ने दी मंजूरी

**नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** संसद के शीतकालीन सत्र में पारित हुए तीन संशोधित आपराधिक कानून विधेयकों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज मंजूरी दे दी। इससे भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य बिल के अब कानून बनने का रास्ता साफ हो गया है। अब भारतीय दंड संहिता को भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता से, दंड प्रक्रिया संहिता को भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता से और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) संहिता से बदला जाएगा। इन विधेयकों को संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा ने 20 दिसंबर को और राज्यसभा ने 21 दिसंबर पारित किया था। राज्यसभा में विधेयकों को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से पेश किए जाने के बाद ध्वनि मत से पारित किया गया था। दोनों सदनों से 141 विपक्षी संसद सदस्यों के निलंबन के बीच विधेयकों को 20 दिसंबर को निचले सदन में पारित किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोनों सदनों में विधेयकों का बचाव किया था।

## 28 दिसंबर को लोकसभा चुनाव 2024 का शंखनाद करेगी कांग्रेस

**नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी में सभी राजनीतिक दल जुटे हुए हैं। मुख्य मुकाबला राजग और इंडिया गठबंधन के बीच है। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आज कहा कि हम नागपुर में 28 दिसंबर को रैली करेंगे जिसका नाम होगा हैं तैयार हम। इस रैली में 2024 लोकसभा चुनाव का शंखनाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन करेंगे। इंडिया गठबंधन के घटक दलों में सीट शेयरिंग पर जयराम रमेश ने कहा कि खुले मन और बंद मुंह से सीट शेयरिंग की बात आगे चलाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में इंडिया गठबंधन की बैठक में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बैनर्जी ने पीएम उम्मीदवार फेस के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रस्तावित किया था जिसका दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने समर्थन किया था।

## पटना में चोरों ने दारोगा को मारी गोली

**पटना,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** बिहार की राजधानी पटना के बेऊर थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने एक दारोगा को गोली मार दी। घायल दारोगा का इलाज एक अस्पताल में चल रहा है, जहां वे खतरे से बाहर बताए जा रहे है।

पुलिस ने हालांकि तीन चोरों को पकड़ लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को बीती देर रात करीब दो बजे सूचना मिली कि सात की संख्या में बदमाश बेऊर चौक के पास एक टेलीकॉम टावर में बैटरी चोरी कर रहे हैं।इस सूचना के आधार पर दारोगा फूलनराम पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। चोरों ने पुलिस को आता देख फायरिंग शुरू कर दी।

इस दौरान एक गोली दारोगा के दाहिने हाथ में जा लगी।

इस बीच, पुलिस ने भाग रहे तीन चोरों को दौड़ाकर पकड़ लिया, लेकिन चार बदमाश भागने में सफल रहे। अधिकारी ने बताया कि घायल दारोगा को तत्काल स्थानीय एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों ने उन्हें खतरे से बाहर बताया है। घटनास्थल से पुलिस ने एक पिस्तौल और तीन गोली बरामद किया है। पुलिस फरार चोरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

C M Y K

## संपादकीय

# कांग्रेस ने जिम्मेदारी तय नहीं की

उत्तर भारत के तीन राज्यों में चुनावी हार के बाद कांग्रेस की सर्वोच्च बॉडी सीडब्लुसी की बैठक हुई,लेकिन उसमें हार की जिम्मेदारी किसी पर तय नहीं की गई। इससे पहले राज्यवार समीक्षा हुई थी। खुद सोनिया गांधी ने कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में बुधवार को कहा था कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहले राउंड की समीक्षा बैठक की है। इन बैठकों में राहुल गांधी भी शामिल होते थे। तभी जब राज्यवार समीक्षा के बाद कांग्रेस कार्य समिति की बैठक बुलाई गई तो समझा जा रहा था कि पार्टी जिम्मेदारी तय करेगी और कुछ सख्त फैसले करेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

कार्य समिति की बैठक में मध्य प्रदेश की हार के लिए पूरी तरह से कमलनाथ और आंशिक रूप से दिग्विजय सिंह को जिम्मेदार ठहराया गया। इन दोनों नेताओं पर हमले की कमान कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक ने संभाली और बाद में रणदीप सुरजेवाला ने भी इन पर ठीकरा फोड़ा। सोचें, चुनाव से ठीक पहले राज्य के प्रभारी जयप्रकाश अग्रवाल को हटा दिया गया और उनकी जगह सुरजेवाला लाए गए थे। लेकिन वो उलटे राज्य के नेताओं पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। उनकी क्या जिम्मेदारी थी? अगर कमलनाथ काम नहीं करने दे रहे थे या बात नहीं सुन रहे थे तो उन्होंने क्यों नहीं यह बात पार्टी आलाकमान को बताई? अगर आलाकमान को बताई थी और तब भी कोई फैसला नहीं हुआ तो क्या हार की जिम्मेदारी केंद्रीय नेतृत्व की भी नहीं बनती है?

इसी तरह छत्तीसगढ़ की प्रभारी कुमारी शैलजा ने परोक्ष रूप से राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधा और कहा कि वे किसी की सुनने को तैयार नहीं थे। यानी वे अपने हिसाब से सारे फैसले कर रहे थे और चुनाव लड़ रहे थे इसलिए हार की जिम्मेदारी उनकी बनती है। सोचें, पीएल पुनिया को हटाने के बाद शैलजा लंबे समय से प्रभारी थीं। टीएस सिंहदेव को उप मुख्यमंत्री बनाने और प्रदेश अध्यक्ष बदलने से लेकर टिकट बंटवारे तक के हर फैसले में वे शामिल थीं और कभी ऐसा संकेत नहीं मिला कि उनका कोई मतभेद बघेल से है। लेकिन चुनाव हारने के बाद शैलजा की कोई जिम्मेदारी नहीं है। सबसे हैरानी की बात यह रही कि इस तरह की कोई बात राजस्थान को लेकर नहीं हुई। वहां नहीं कहा गया कि अशोक गहलोत ने चुनाव हरवा दिया।

असल में कांग्रेस ने एक मॉडल विकसित किया है, जिसमें सब कुछ प्रादेशिक क्षत्रपों के हवाले छोड़ा हुआ है। हार-जीत सब उनकी होती है। जैसे कर्नाटक में सिद्धरमैया और डीके शिवकुमार जीते तो तेलंगाना में रेवंत रेड्डी जीते और इसी तरह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में वहां के क्षत्रप हार गए। इसका फायदा यह होता है कि केंद्रीय नेतृत्व पर उठने वाले सवाल टाले जा सकते हैं। लेकिन कायदे से कार्य समिति की बैठक में जिम्मेदारी तय होनी चाहिए थी। केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व दोनों की। राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर राहुल गांधी व प्रियंका गांधी वाड्रा और उनके द्वारा नियुक्त प्रभारियों की भूमिका पर भी चर्चा होनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस लगातार हारों से भी कोई सबक नहीं सीख रही है। सब कुछ पुराने ढर्रे पर चलाए रखने की सोच है।

# मार्केट,मंदिर और मंडलः ये हैं आज भाजपा की ताकत

इस महीने को दो घटनाओं ने देश के एक बड़े हिस्से में नाउम्मीदी पैदा की है। यह समाज का वो हिस्सा है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की कार्य प्रणाली, तथा भारतीय जनता पार्टी और उसके मातृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से असहमत है। पहली घटना तीन दिसंबर को हुई, जिस रोज पांच राज्य विधानसभाओं के चुनाव नतीजे आए। इनमें तीन हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा की जीत से आबादी के इस हिस्से को तगड़ा झटका लगा। खास कर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा की पराजय को लेकर यह तबका एक हद तक आश्वस्त था। राजस्थान में गुजरे तीन दशकों में हर पांच साल में सत्ता बदलने के रिकॉर्ड के बावजूद इस समूह में आशा थी कि संभवतः अशोक गहलोत के करिश्मे से कांग्रेस वहां भाजपा को हराने में सफल हो जाएगी। मगर अब यह साफ है कि ऐसी तमाम उम्मीदें रेत की बुनियाद पर टिकी थीं।

दूसरी घटना 11 दिसंबर को हुई, जिस रोज सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर को विशेष अधिकार देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के सरकार/संसद के कदम पर अपना फैसला सनाया। चूंकि यह कदम संवैधानिक प्रावधान और उसकी भावना का खुला उल्लंघन करते हुए उठाया गया था, इसलिए यह आशा वाजिब थी सर्वोच्च न्यायालय कम-से-कम इस कदम की असंवैधानिकता की चर्चा करेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके अलावा जिस तरह कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर को दो भागों में बांटने और दोनों हिस्सों का दर्जा गिरा कर केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बेहद अहम मुद्दे पर निर्णय देने से इनकार कर दिया, उससे मायूसी और ज्यादा बढ़ गई।

गुजरे वर्षों में न्यायपालिका का रिकॉर्ड कुछ ऐसा है, जिससे ये धारणा बनती चली गई है कि अदालतें अवरोध एवं संतुलन की महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के बजाय वर्तमान केंद्र सरकार की वैचारिक एवं राजनीतिक परियोजनाओं को पूरा करने में सहायक का रोल अदा कर रही हैं। अनुच्छेद 370 संबंधी निर्णय ने इस धारणा को और पुख्ता बना दिया है। तो यह सवाल चर्चित हुआ है कि अगर भाजपा को चुनावों में हराना लगातार कठिन होता जा रहा है और दूसरी तरफ अदालतों से भारतीय संविधान की मूलभूत भावना के अनुरूप न्याय पाना दूभर हो गया है, तो फिर भारत में लोकतंत्र एवं कानून के राज के सिद्धांत के बचे रहने की कितनी उम्मीद की जा सकती है? यह व्यग्रता उचित है। जब कोई रास्ता नजर आता, तो इनसान की स्वाभाविक प्रतिक्रिया हताशा में चले जाने की होती है। लेकिन क्या सचमुच हमारे सामने हताश होने की स्थिति है?

मानव सभ्यता के इतिहास का तजुर्बा यह है कि हताशा सिर्फ अल्पकालिक नजरिए का परिणाम होती है। जबकि दीर्घकालिक दृष्टिकोण हमें स्थितियों का अधिक गंभीरता से विश्लेषण करने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने की समझ देती है। राजनीति में घटनाएं अक्सर उस तरह स्वतंत्र रूप से घटित नहीं होतीं, जैसा ऊपर से नजर आता है। अगर किसी पार्टी या नेता का उदय या ह्रास होता है, तो उसके पीछे कुछ खास परिघटनाएं काम कर रही होती हैं। उदारवादी लोकतंत्र का किताबों में चाहे जितना महिमामंडन किया गया हो, हकीकत यही है कि यह शासन तंत्र भी शासक वर्गों द्वारा आर्थिक-राजनीतिक सिस्टम को अपने अनुरूप चलाने के मकसद से अस्तित्व लाया गया। सिस्टम की वैधता बनी रहे, इसलिए जनता से निर्वाचन और अवरोध एवं संतुलन की व्यवस्थाएं की गईं। इसे ऐसे कहा जा सकता है कि ऐतिहासिक द्वंद्व के बीच शासक वर्गों ने अपने विशेषाधिकारों पर कुछ समझौता करते हुए इस तंत्र को स्वीकार किया, ताकि वे अपने व्यापक हितों को बचाए रख सकें। लेकिन यह सिस्टम सचमुच- जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा संचालित- हो, ऐसी कोई मिसाल दुनिया में नहीं है। खास कर अगर जनता का मतलब हम श्रमिक वर्ग से समझते हों।

दरअसल, राजनीतिक व्यवस्थाओं का विकास-क्रम विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच संघर्ष की एक लंबी कथा है, जिसमें पलड़े बारी-बारी से एक से दूसरी तरफ झुकते रहे हैं। आज अगर भाजपा लगभग अपराजेय स्थिति में नजर आती है, तो यह पलड़े का कुछ खास वर्ग हितों की तरफ झुकने का परिणाम है। इसलिए भाजपा की शक्ति को समझने के लिए जरूरी है कि हम उन परिघटनाओं पर गौर करें, जिन्होंने गुजरे कुछ दशकों में पलड़े को इस दिशा में झुका दिया। इस बिंदु पर यह याद रखना जरूरी है कि आजादी के बाद तीन दशकों तक बिल्कुल अलग प्रकार की परिघटनाएं भारतीय राजनीति पर हावी थीं। तब ये परिघटनाएं उस समय की राजनीतिक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही थीं। इन परिघटनाओं का जन्म उपनिवेशवाद- यानी ब्रिटिश गुलामी- के खिलाफ लंबे संघर्ष को दौरान हुआ था। उस संघर्ष के दौरान विदेशी गुलामी से मुक्ति के साथ-साथ आर्थिक एवं सामाजिक शोषण की व्यवस्थाओं से आजादी की जागरूकता का भी प्रसार वंचित तबकों में हुआ था। उससे लोकतंत्र की मांग ने जोर पकड़ा। उन परिघटनाओं ने आजादी के बाद अस्तित्व में आए भारतीय संविधान की विचारधारा, तत्कालीन सरकारों की नीतियों, और राजनीतिक दलों के प्रभाव को निर्धारित किया था। तब नेहरूवादी कांग्रेस उन तमाम परिघटनाओं को काफी हद खुद में समेटने में सफल रही। यही उसकी ताकत का आधार बना। जब तक ये परिघटनाएं समाज में प्रभावी रहीं, कांग्रेस भी देश की प्रमुख राजनीतिक शक्ति बनी रही। जो अन्य पार्टियां उस समय शक्तिशाली थीं, उनकी राजनीतिक ताकत भी उन्हीं परिघटनाओं से बनी थी।

मगर इतिहास की द्वांद्वात्मक समझ हमें यह बताती है कि हर परिघटना का प्रतिवाद समय के साथ अस्तित्व में आता है। तो तत्कालीन प्रभावशाली परि घटनाओं का प्रतिवाद भी उभरा, जो 1970 का दशक आते-आते ठोस रूप लेने लगा। 1990 आते-आते वैश्विक और घरेलू दोनों परिस्थितियां ऐसी हो गई, जिसमें उपनिवेशवाद से संघर्ष के परिणामस्वरूप अस्तित्व में आई राज्य-व्यवस्था का प्रतिवाद राजनीति की प्रमुख धारा बन गया। भारत में यह प्रतिवाद तीन परिघटनाओं में व्यक्त हुआ, जिन्हें तीन शब्दों- मार्केट, मंदिर और मंडल- से हम समझ सकते हैं।

मार्केट से मतलब नव-उदारवादी नीतियों से है, जिन्हें अपनाते हुए अर्थव्यवस्था को नियोजित करने की अपनी भूमिका सरकार ने छोड़ दी और मुक्त बाजार के मूलमंत्र को अपना लिया। मंदिर से मतलब हिंदुत्ववादी राजनीति के अभूतपूर्व उभार से है, जिसने स्वतंत्रता के बाद से देश में हावी रहे वैचारिक विमर्श को पूरी तरह बदल दिया। मंडल से मतलब जातीय पहचान और प्रतिनिधित्व की नई उभरी सियासत से है, जिसने आरंभिक दिनों में समाज में सकारात्मक बदलाव की उम्मीदें जगाई, लेकिन धीरे-धीरे वह एक अभिजात्यवादी राजनीतिक परिघटना में तब्दील हो गई। गहराई से गौर करें, तो नजर आएगा कि ये तीनों परिघटनाएं एक दूसरे से जुड़ी हुई थीं और तीनों ने एक दूसरे को बल प्रदान किया।

इन तीन परिघटनाओं के हावी होने के साथ कांग्रेस अपने पराभव की दिशा में चल निकली। मार्केट परिघटना का सूत्रधार बन कर उसने बाजार (यानी कॉरपोरेट्स) की प्रिय पार्टी बनने की कोशिश जरूर की। लेकिन इस क्रम में वंचित हो रहे लोगों संतुष्ट रखने और उन्हें गोलबंद करने का कोई सूत्र उसके पास नहीं था। अधिकार आधारित विकास नीति को लागू करने का जो तरीका उसने अपनाया, वह जन-गोलबंदी के लिहाज से कमजोर साबित हुआ। उलटे इसकी वजह से शासक वर्गों में उसके खिलाफ एक जोरदार प्रतिक्रिया हुई।

इसके पहले मंदिर की परिघटना ने भाजपा को भारतीय राजनीति एक प्रमुख धुरी बना चुकी थी। भाजपा ने हिंदुत्व के नाम पर पहले भारतीय समाज के पारपंरिक शासक वर्ग को पूरी तरह अपने पाले में किया, फिर इसी एजेंडे से मतदाताओं को गोलबंद करने की ऐसी क्षमता दिखाई, जिससे आधुनिक शासक वर्ग (कॉरपोरेट्स) की भी वह सबसे प्रिय पार्टी बन गई। इस बीच भाजपा स्वदेशी बनाम विदेशी की दुविधा से निकलते हुए निर्बाध भूमंडलीकरण, निजीकरण और उदारीकरण की नीतियों को गले लगा चुकी थी।

मंडल/बहुजन की परिघटना से हिंदी भाषी राज्यों में नई राजनीतिक शक्तियां उभर कर सामने आई। उससे एक समय यह संभावना जगी थी कि ये ताकतें आने वाले कई दशकों तक भारतीय राजनीति की निर्णायक शक्ति बनी रहेंगी। लेकिन जिन नेताओं के हाथ में इस नई राजनीति की कमान थी, वे अपने परिवार और अपनी जाति विशेष से आगे नहीं देख पाए। ना ही वे जाति और वर्ग के अंतर्संबंधों को समझते हुए ऐसी रणनीति सोच पाए, जिससे जाति तोड़ने और पिछड़ेपन को दूर करने की राह निकलती। चूंकि उनकी पूरी सियासत पहचान और प्रतिनिधित्व की मांग तक सिमट कर रह गई, इसलिए भाजपा के लिए इस राजनीति की काट ढूंढना आसान हो गया।

मंडलवादी/बहुजन परिघटना की सफलता जातियों की अलग-अलग पहचान कमजोर कर ओबीसी, दलित और उनसे भी ऊपर जाकर बहुजन पहचान को सघन करने पर निर्भर थी। जबकि खुद इस राजनीति से जुड़े दलों ने ऐसी परिस्थितियां बनाई, जिनसे अलग-अलग जातियां अपनी अलग पहचान जताने की राह को अपनाती चली गई। भाजपा के लिए यह एक तरह से वरदान साबित हुआ। अपनी कथित सोशल इंजीनियरिंग के जरिए भाजपा ने इन जातियों के आपसी अंतर्विरोधों को बढ़ाते हुए और सबकी अपनी खास पहचान पर जोर डालते हुए सबको हिंदुत्व के एक बड़े शामियाने में शामिल करने के प्रयास किए और उसमें अब वह काफी सफल हो चुकी है।

मुस्लिम द्वेष की भावना को हवा देने की रणनीति इस कथित सोशल इंजीनियरिंग में भाजपा के खास काम आई है। लेकिन बात सिर्फ इतनी नहीं है। भाजपा ने पहचान और प्रतिनिधित्व देने की होड़ में बाकी दलों को कड़ी टक्कर दी है। बल्कि कई बार इस मामले में वह बाकी सभी दलों से आगे नजर आती है।

परिणाम यह है कि आज भाजपा ने मंदिर के साथ-साथ मार्केट और मंडल की परिघटनाओं को भी खुद में समाहित कर लिया है। इस रूप में 1990 से उभरी और हावी हुई तीनों खास परिघटनाओं की वह प्रतिनिधि पार्टी बन गई है। यही आज उसकी खास ताकत है। उसकी इस ताकत को देखते हुए देश के शासक वर्ग ने अब पूरा दांव उस पर ही लगा रखा है। चूंकि आम तौर पर न्यायपालिका से लेकर तमाम दूसरी संवैधानिक संस्थाओं पर उन्हीं तबकों से आए (या बाद में अपनी हैसियत बढ़ने के साथ उस वर्ग का हिस्सा बन गए) लोग काबिज रहते हैं, इसलिए ये संस्थाएं भी भाजपा और उसके एजेंडे को आगे बढ़ाने का उपकरण बनती चली गई हैं।

आज हम यह होता देख रहे हैं कि वर्तमान प्रभावशाली राजनीतिक परिघटनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए भाजपा ने चूंकि मतदाताओं के एक बहुत बड़े हिस्से पर अपना प्रभाव कायम कर रखा है, इसलिए शासक समूह अपना धन-बल और प्रचार-तंत्र उसे उपलब्ध कराते हैं। इससे भाजपा और मजबूत होती है और अपनी वैचारिक राजनीति को और आगे बढ़ाने में और सक्षम हो रही है।

भाजपा से असहमत तबकों की दिक्कत यह है कि वे वर्तमान स्थिति के इस मूलभूत पक्ष को सिरे से नजरअंदाज करते हैं। इनमें एक बड़ा तबका वो है, जो आज भी मंडल और मंदिर को अलग करके देखता है। उसे लगता है कि अगर कुछ मंडलवादी सूत्रों में फिर से जान फूंकी जाए, तो मंदिर और मार्केट की ताकतों को रोका जा सकता है। लेकिन अनुभव यह है कि ऐसी सोच और उस पर आधारित रणनीतियां बार-बार मुंह के बल गिर रही हैं।यह पहलू भी इन तबकों के विमर्श से बाहर बना हुआ है कि कैसे मार्केट ने मंदिर और मंडल दोनों का उपयोग अपने हित में किया है और किस तरह 1990 के दशक में उभरी तमाम राजनीतिक धाराओं को उसने अपना सेवक बना लिया है।

इसलिए आज की हकीकत यह है कि अब 1990 के दशक में सामने आई तमाम परिघटनाओं से आगे जाकर ही भाजपा को टिकाऊ चुनौती दी जा सकती है। वैश्विक स्तर पर हम 1990 के दशक में दुनिया भर में फैलाए गए बाजारवाद का प्रतिवाद खड़ा होते देख रहे हैं। यह प्रतिवाद कुछ जगहों पर ठोस रूप लेने लगा है, जबकि बाकी जगहों पर अभी सूरत अस्पष्ट बनी हुई है। लेकिन भूमंडलीकरण की दिशा पलटने के रूप में इस प्रतिवाद का प्रभाव सारी दुनिया पर पड़ रहा है। भारत में भी इससे नए विमर्श के साथ राजनीति शुरू करने की अनुकूल स्थितियां बनेंगी। यानी कहा जा सकता है कि तीन दशक बाद उस समय हावी हुई परिघटनाओं का जवाब तैयार करने का अनुकूल समय हमारे पास है। लेकिन चुनौती यह है कि नए घटनाक्रम को समझने की अंतर्दृष्टि प्राप्त की जाए। उसकी पहली शर्त मौजूदा व्यवस्था की संचालक परिघटनाओं से मोहभंग है। उसके बाद ही नई राजनीति की परिकल्पना करने के लिए लोग प्रेरित होंगे।

इस लिहाज से भारतीय समाज के एक बड़े हिस्से में फैल रही नाउम्मीदी को हम एक रूप में सकारात्मक संकेत मान सकते हैं। इसलिए कि निराधार उम्मीदों के टूटने से अक्सर लोग हकीकत का सामना करने और उसके अनुरूप नया रास्ता तलाशने के लिए प्रेरित होते हैं। भारत आज ऐसे मुकाम पर है, जब नया रास्ता तलाशने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। दरअसल, यह सूरत दुनिया के उन तमाम देशों में है, जो अभी हाल तक अपने उदारवादी लोकतंत्र को सर्वश्रेष्ठ शासन प्रणाली मानते थे। अब उन सभी जगहों पर एक तरह के उथल-पुथल की स्थिति है। चूंकि मौजूदा व्यवस्था के वास्तविक स्वरूप से परदा हट रहा, तो लोगों के पास अब नए विकल्पों के बारे में सोचने के अलावा कोई और चारा नहीं रह गया है।

**-सत्येन्द्र रंजन-**

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

## उसकी चिट्ठी

नींद नहीं है इन रातों में,
करती छुपम-छुपाई है।
चाँद रोशनी की मिली झलक ,
है खिड़की पर दुबके से,
टिम-टिम करते इन तारों को,
झाँक रही है चुपके से,
दृश्य देख विचलित होता मन,
वह थोड़ा घबराई है,
नजर टिकाती फिर पन्नों पर,
उसकी चिट्ठी आई है।।
कल-कल नदियाँ शोर मचाती,
आकर्षित कर लेती हैं,
जाकर मिलना है सागर से,
संदेशा यह देती हैं,
प्रेम पत्र पढ़ लहर दौड़ती,
देख जरा शरमाई है,
बातें करती वह खुद से ही,
उसकी चिट्ठी आई है।।
लिपट गई खुद की बाँहों में,
व्याकुल आँखें रोती हैं।
श्वाँस भरे स्याही की खुशबू,
शब्द बिखरते मोती हैं,
ठिठक गई सारी घड़ियाँ पर,
हलचल जरा मचाई है,
उमड़ रही हैं खुशियाँ मन में।
उसकी चिट्ठी आई है।।

**प्रिया देवांगन प्रियू**
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

# विविध विधाओं एवं विभिन्न विषयों की सूत्रधार बनी प्रभा श्री-काव्य गोष्ठी

**वाराणसी(काशी),25 दिसम्बर 2023।** काव्य गोष्ठी सबके लिये (भोपाल) एवं प्रभा श्री फाउंडेशन (काशी) के संयुक्त तत्वावधान में पूरी भव्यता के साथ एक और कवि सम्मेलन संपन्न हुआ। काव्य गोष्ठी सबके लिये (भोपाल) के संस्थापक एवं वरिष्ठ साहित्यकार राजसागर, संस्कार प्रभा की निदेशक प्रख्यात साहित्यकार पुष्पा अवस्थी स्वाती (मुंबई) एवं प्रभा श्री फाउंडेशन की निदेशक जानी मानी कवयित्री प्रियंका अग्निहोत्री गीत (काशी) के संयुक्त प्रयासों से हर रविवार को होने वाले ऑनलाइन कवि सम्मेलन में देश के ही नहीं अपितु विदेशों से भी अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकारों का प्रतिभाग रहा करता है। साथ ही नवांकुरों को मंच प्रदान कर उनकी साहित्यिक प्रतिभा को निखारने का भी कार्य किया जाता है। इस सप्ताह कवि सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के नाम डॉ0 शशिकांत शर्मा (नागपुर), वीणा सिन्हा (न्यू जर्सी), कृष्णा राजपुरोहित (दिल्ली), धर्मराज ठाकुर (चंपारण) द्य सभी ने अपनी अप्रतिम रचनाओं से अद्भुत काव्य की धारा बहायी। सबने भावुकता के साथ (कीर्तिशेष) पुष्पा अवस्थी स्वाती जी को काव्य के श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए विविध विधाओं में सभी ने विभिन्न विषयों पर काव्य पाठ किया। साथ ही साथ सभी ने एक स्वर में प्रभा श्री के इस अद्भुत अनवरत मंच की भूरी भूरी प्रशंसा की । मंच की श्रेष्ठ और सफलतम संचालिका कोकिलकंठी कवयित्री प्रियंका अग्निहोत्री गीत (काशी) की रचना के उपरांत माहौल अप्रतिम रूप से मंत्रमुग्ध करने लगा। दर्शक दीर्घा से अनिता मिश्रा (पटना), जयकृष्ण चांडक (हरदा), डॉ0 वनिता शर्मा (दिल्ली) ने अपनी रचनाओं से मंच सुसज्जित किया। मुंबई की जानी मानी वरिष्ठ साहित्यकार पुष्पा अवस्थी स्वाती के बहुमूल्य आशीर्वचन की छत्रछाया में उनके उद्देश्य को पूरित करने का लक्ष्य लिए हुए प्रियंका अग्निहोत्री गीत (काशी) ने बताया कि विगत चार वर्षों में सौ किताबें प्रकाशित की जा चुकीं, तथा मंच पर 10 हज़ार से अधिक रचनाकार प्रतिभाग करते हुए सम्मानित हो चुके द्य यह मंच पूर्णतः उनके पिता स्वश प्रभा शंकर अवस्थी जी एवं माँ स्वाती जी को समर्पित है। प्रभा श्री ग्रुप के अंतर्गत सभी कार्य उनकी स्मृति में उन्हीं की प्रेरणा से आयोजित किये जाते हैं, प्रभा श्री की प्रभा अंधेरों से उजालों की ओर बढ़ने को प्रेरित करती है, नकारात्मकता में भी सकारात्मकता का प्रसार करती है। इसी प्रकार तालियों के बीच प्रियंका गीत के ही द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह मंच साप्ताहिक है, प्रतिभाग करने के इच्छुक कवि प्रियंका गीत से संपर्क कर सकते हैं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

# 'समय की रेत पर' निबंध में प्रियंका सौरभ की गहरी आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि

विभिन्न विधाओं की पांच किताबें लिख चुकी युवा लेखिका प्रियंका सौरभ के

**रेनू शब्द मुखर**
जयपुर, राजस्थान

निबंध-संग्रह 'समय की रेत पर' में भारतीय समाज, संस्कृति, इतिहास, धर्म, विरासत और भाषा आदि पर आधारित 43 निबंध हैं। विविधता को समाहित करने के बावजूद सभी निबंध विरासत और संस्कृति को बचाये रखने की छटपटाहट लिए हुए हैं। गहन गंभीरता और विचारशीलता से सराबोर इन निबंधों में हमारी विरासत और संस्कृति के इतिहास का आलोचनात्मक विश्लेषण है, वर्तमान की गहरी छानबीन है और उज्ज्वल भविष्य को दिशा देने की कोशिश है। लेखिका आधुनिक चेतना के स्थान पर मध्यकालीन संकीर्ण मान-सिकता के बढ़ते जाने को लेकर चिंतित है।

पहला ही निबंध 'समय की रेत पर' से ही किताब का भी नामकरण किया गया है, जो कि उचित जान पड़ता है। यह पूरे संग्रह का प्रतिनिधि निबंध है, जिसमें समाज परिवर्तन के लिए पुरुषार्थ की भूमिका को रेखांकित किया गया है क्योंकि गतिमान जीवन यात्रा में इंसान की इच्छाएं अनंत होती है। बिना पुरुषार्थ के भोजन भी नहीं मिल सकता है और बिना पुरुषार्थ के किसान खेती भी नहीं कर सकता है। 'खंडित हो रहे परिवार' में गिरावट के प्रतीक के रूप में आज खंडित हो रहे परिवारों की दशा की विवेचना है जिसमें लेखिका कहती है कि वैवाहिक सम्बन्ध टूटने, आपसे भाईचारे में दुश्मनी एवं हर तरह के रिश्तों में कानूनी और सामाजिक झगड़ों में वृद्धि हुई है। आज सामूहिकता पर व्यक्तिवाद हावी हो गया है. इसके कारण भैतिक उन्मुख, प्रतिस्पर्धी और अत्यधिक आकांक्षा वाली पीढ़ी तथाकथित जटिल पारिवारिक संरचनाओं से संयम खो रही है। जिस तरह व्यक्तिवाद ने अधिकारों और विकल्पों की स्वतंत्रता का दावा किया है। उसने पीढ़ियों को केवल भौतिक समृद्धि के परिप्रेक्ष्य में जीवन में उपलब्धि की भावना देखने के लिए मजबूर कर दिया है।

इस पुस्तक के निबंधों में लेखिका ने सामाजिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक क्षेत्र के विषयों जैसे-खंडित हो रहे परिवार, धर्म, मिट्टी के घर, देशभक्ति के मायने, आस्था पर निशाने, चरित्र शिक्षा, अंधविश्वास का दलदल, पुरस्कारों का बढ़ता बाजार, हमारी सोच, अंतरात्मा की आवाज, तीर्थयात्रा, जीवन की आपाधापी, पत्थर होती मानवीय संवेदना, संबंधों के बीच पिसते खून के रिश्ते, रंगत खोते हमारे सामाजिक त्योहार, सनातन धर्म के बदलते अर्थ,बदलती रामलीला, शादी-ब्याह बढ़ता दिखावा-घटता अपनापन, घर की दहलीज से दूर होते बुजुर्ग, प्रतिष्ठा की हानि, मूल आधार है हमारे सामाजिक त्योहार, अपनों से बेईमानी, पतन की निशानी, रामायण सनातन संस्कृति की आधारशिला, विरासत हमें

सचमुच बताती हैं कि हम कौन हैं, राष्ट्रीय अस्मिता, सभ्यता, महिला सशक्तिकरण, भाषा और साहित्य इत्यादि विषयों पर गहरे विश्लेषण के साथ तर्कसम्मत, व्यावहारिक और ठोस चिंतन बहुत ही मुखर ढंग से प्रस्तुत किए हैं।

इतिहास की जानकारी मनुष्य के भविष्य निर्माण के लिए होनी चाहिए इसलिए यह ज़रूरी है कि इतिहास में दर्ज हो चुकी सभ्यताएँ, संस्कृति, भाषा, साहित्य और कला सभी सुरक्षित होने के साथ पोषित और समृद्ध भी होती रहें। पुस्तक के सभी निबंध सटीक, समसामयिक होने के साथ स्थायित्व लिए हुए हैं। निश्चय ही इन निबंधों में लेखिका का जागृत टिप्पणीकार होना हमारी विरासत और संस्कृति के असल को जितना सामने लाता है, उतना ही मानवीय विवेक के साथ संस्कृति के प्रति स्वच्चेतना को भी। वे विचारधाराओं के बीच केवल चहलक़दमी नहीं करतीं, बल्कि उसके जीवन सापेक्ष सार्थक को वैचारिकी में लाती हैं। लेखनी की धनी प्रियंका सौरभ का इस कृति के माध्यम से बहुआयामी चिन्तन मुखर हुआ है। वे समसामयिक विषयों पर गहरी समझ रखती हैं। लेखिका ने सभी निबंधों में सन्दर्भ के साथ उदाहरण भी दिए हैं और तथ्यों के साथ गहरा विश्लेषण भी किया है।

कुल मिलाकर यह कृति हमरी विरसत, संस्कृति, मानवीय चेतना एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों की गहन पड़ताल करती है। पुस्तक पठनीय ही नहीं, चिन्तन मनन करने योग्य, देश के कर्णधारों को दिशा देती हुई और क्रियान्वयन का आह्वान करती वैचारिक विमर्श की समसामयिक कृति है। समय की रेत पर हमारी संस्कृति और विरासत से जुड़े समकालीन निबंधों का सशक्त दस्तावेज़ है। निबंधो का यह संग्रह हमारी विरासत और संस्कृत से जुड़े मुद्दों को समेटे है। परिस्थितियों से प्रेरित लेखन जरा भी ऊबाऊ या दिखावटी नहीं होता। यहीं से सत्यता की सुगंध आने लगती है। प्रियंका जी के विषय व्यापक और महीन हैं। उनकी भाषा पर पकड़ बताती है कि भाषा पर किसी तरह का कोई समझौता उनके शब्दकोश में नहीं है। बहुत ही गहन और अंतर्द्वंद से उपजे विचारों को लेखों में ढालना आसान कतई नहीं है। उनके लेखों की हेडिंग से लेख का पूरा मजमून और संदर्भ सामने जैसे प्रकट हो जाता है। यही खासियत होती है लेखों के शीर्षक की जिसमें प्रियंका जी ने भरपूर काम किया है। लेख यदि भारी-भरकम हो और शीर्षक हल्का हो तो लेख की गरिमा अपने-आप ही कम हो जाती है। जो लोग अपने शीर्षक पर काम नहीं करते उनके लिए ये पुस्तक उदाहरण है। मैंने इधर समकालीन लेखकों में इस स्तर की पुस्तक यही पढ़ी है। प्रियंका सौरभ जी अपने नाम के मुताबिक आलोचना में महिलाओं की सौरभ बढा रही हैं।

नोशन प्रकाशन द्वारा एक बेहतरीन पुस्तक का आना साहित्य और साहित्यकार दोनों को समृद्ध करता है। पुस्तक के शीर्षक और उसके कवर, गेटअप, पेज की क्वालिटी, मुद्रण, लगभग बिना गलतियों के पुस्तक प्रकाशित करना आदि पर उनकी मेहनत रंग लाई है। सभी निबंध पठनीय हैं, जो कि विषय को लेकर गहरी आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। निबंधों की भाषा बहुत सशक्त है। अनेक स्थानों पर भाषा व्यंग्यात्मकता से धारदार बन गई है। इस महती पुस्तक के लिए नोशन प्रकाशन का बहुत अभिनंदन। एक गंभीर आलोचक और उसकी पुस्तक पर इससे ज्यादा और कुछ नहीं लिख सकते। यशस्वी रहो। आने वाले दिनों में आलोचना पर उनके और भी प्रोजेक्ट्स हमारे सामने मूर्तरूप लेकर आएं और साहित्य को समृद्ध करें, यही शुभकामनाएं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

## शून्य से शिखर तक

लक्ष्य को पाकर दिखाना है मुझको।
जीत का परचम लहराना है मुझको।।
इस दुनिया में कठिन कुछ भी नहीं,
शून्य से शिखर तक जाना है मुझको।।
यदि जीवन एक
खेल है तो मैं खेलूँगा।
चाहे लाख मुसीबतें आए मैं झेलूँगा।।
प्रेरित होकर ध्यान लगाना है कर्म में,
असंभव को
संभव करके दिखाऊँगा।।
रच सकता है तो रच
मेरे लिए चक्रव्यूह।
महारथियों के दल
चाहे खड़े हो प्रत्यूह।।
ज्ञान हासिल किया है
मैंने माँ के गर्भ में,
इस बार सातवें द्वार को
भेदेगा अभिमन्यु।।
रह-रह कर अभी
जवानी ने ली अँगड़ाई।
सुनहरे भविष्य के लिए
लड़नी है लड़ाई।।
अपने हाथों लिखना है
मुझे नया इतिहास,
यही सही समय है,
शुरू करनी है पढ़ाई।।

**अशोक कुमार यादव**
मुंगेली,
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

**समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।**

# दुनिया के कई देशों में आज युद्ध के बीच हिंसा,घृणा, खौफ और तानाशाही का है बोलबाला:बिशप

## क्रिसमस के शुभ अवसर पर नवापारा स्थित महा गिरजाघर में हुई विशेष प्रार्थना

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

प्रभु येशु के जन्म क्रिसमस के शुभ अवसर पर अंबिकापुर के नवापारा स्थित महा गिरजाघर में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई। रविवार की रात 10 बजे से समस्त धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ हुए जो देर रात तक चले। रात 12 बजे बालक येशु के जन्म के साथ ही चर्च के घंटे बज उठे।

चरनी आशीष के सांथ धार्मिक अनुष्ठान की शुरुवात हुई। सरगुजा धर्म प्रान्त के धर्माध्यक्ष बिशप डॉक्टर अंतोनीस बड़ा की अगुवाई में विकर जनरल फादर विलियम उर्रे व फादर जार्ज ग्रे कुजूर ने समस्त धार्मिक अनुष्ठान मिस्सा पूजा सम्पन्न हुई। इस

अवसर पर समुदाय को संबोधित करते हुए अपने संदेश में बिशप डॉ. अंतोनिस बड़ा ने कहा कि दुनिया के कई देशों में आज युद्ध के बीच हिंसा, घृणा, खौफ और तानाशाही का बोलबाला है। रूस व यूक्रेन के लोग अपने आप को येशु के अनुयायी मानते हैं लेकिन उनके अंदर के ख्रीस्तीय संस्कार मर चुके हैं। फिलिस्तीन व इस्राइल के बीच संघर्ष व युद्ध के कारण मानवता वहां कराह रही है येशु का संदेश यहां अर्थहीन हो चुका है। मणिपुर के लोग आज भी तनावपूर्ण जिंदगी जी रहे हैं। ये देश घृणा व दुश्मनी के दलदल में फंसकर अंधकारमय हो चुके हैं। आइए हम सब मिलकर बेतलहेम के गौशाले में जन्मे चरन में लेटे प्रभु येशु मसीह की महत्ता और उनके संदेश को ग्रहण करें। सुसमाचार का वाचन फ़ादर विलियम उर्रे ने किया। इस दौरान पारा टोला से आये समाज के मती मिंज व सुषमा लकड़ा ने बाइबील के पवित्र पाठ का वाचन कर येशु के संदेशों को दिया। रात्रि प्रार्थना सभा के दौरान फा. अनुरंजन व फ़ा जॉन की अगुवाई में युवक युवतिओं द्वारा अनुष्ठान के बीच-बीच में भक्तिमय गीतों से ऐसा समा बांधा की लोग भक्तिमय गीतों में रम गए। कार्यक्रम के अंतिम चरण में परम प्रसाद का वितरण व बालक येशु का चुंबन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज, नगर निगम के महापौर डॉ. अजय तिर्की, फा. ज्ञान लकड़ा, फा. पीटर, राजेन्द्र तिग्गा, अरुण मिंज, भानु, राजेश टोप्पो, फादर अविरा, हॉली क्रास, उर्सुलाइन, संत अन्ना, मिशनरीज आफ चैरिटी सिस्टर्स व बड़ी संख्या में मसीही समाज के लोग मौजूद थे।

## सुशासन दिवस पर भाजपाइयों ने स्व.अटल बिहारी वाजपेई को की पुष्पांजलि अर्पित

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्म जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया।

सरगुजा भाजपा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह के साथ भाजपाईयों ने अटल बिहारी वाजपेई के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए समस्त जन को शुभकामनाएं दी। सुशासन दिवस पर अटल बिहारी वाजपेई के स्मृतियों को याद करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा कि उनकी विचारें हमेशा सकारात्मक ऊर्जा और आशा का संचार करती रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत की राजनीति के आजाद शत्रु थे राजनीतिक अस्थिरता से उबारने के अलावा देश के अंदर राजनीति में सुचिता और पारदर्शिता का एक आदर्श प्रतिमान उन्होंने रखा था। आज पिछले 9 वर्षो से हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत में विकास और सुशासन के जो नए प्रतिमान स्थापित किए हैं इसकी आधारशिला हमारे श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई ने अपने शासनकाल में रख दी थी। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य भारत सिंह सिसोदिया, निगम के पूर्व सभापति त्रिलोक कपूर कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष विनोद हर्ष, नगर मंडल अध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला ने संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान अंबिकापुर शहर से जाने-माने कवित्रियों को भाजपा सरगुजा की ओर से ललन प्रताप सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन दीपक सिंह तोमर ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष राजकुमार बंसल, अभिषेक शर्मा, अरुणा सिंह, बलराम जयसवाल, मधु चौदहा, विकास पाण्डेय, रूपेश दुबे, राजबहादुर सिंह, अजय सिंह बबलू, सर्वेश तिवारी, रविन्द्र तिवारी, अनिल जयसवाल, रामप्रवेश पांडे, प्रियंका चौबे, मनोज सोनी, कृष्ण शर्मा, दूधनाथ गोस्वामी, निरंजन रॉय, वेदांत तिवारी, कमलेश तिवारी, अंशुल श्रीवास्तव, दुर्गा शंकर दास, शरद सिन्हा, रवि जयसवाल, प्रियंका चौबे, सोनू मुदलियार, सीमा कश्यप, नीलम राजवाड़े, अजय सिंह, वीर सोनी, हर्ष जयसवाल, विपिन पांडे छोटू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

## तीन दिनों से पानी की समस्या से जुझते रहे महिला मेडिकल वार्ड के मरीज व परिजन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के महिला मेडिकल वार्ड के मरीज पिछले तीन दिनों से पानी की समस्या से जुझते रहे। परेशानी का सामना केवल मरीजों का ही नहीं बल्कि उनके परिजन व वहां ड्यूटी कर रहे स्टाफ नर्सों को भी करना पड़ा। वहीं सबसे बड़ी परेशानी यह रही कि पानी की समस्या के कारण पिछले तीन दिनों तक किडनी के मरीजों का डायलेसिस तक नहीं हो सका।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पानी की समस्या काफी दिनों से बनी हुई है। यह समस्या गर्मी के दिनों में ज्यादा बढ़ जाती है। वहीं फिलहाल पिछले दिन दिनों से मोटर में खराबी आ जाने के कारण महिला मेडिकल वार्ड व डायलिसस कक्ष में पानी की समस्या उत्पन्न हो गई। पानी की समस्या उत्पन्न हो जाने से किडनी के मरीजों का डायलिसिस नहीं हो सका। जबकि हर तदन 15 से ज्यादा किडनी के मरीज डायलिसिस कराने पहुंचते हैं। इन मरीजों का डायलिसिस अनिवार्य है। एक दिन भी डायलिसिस प्रभावित होने पर मरीजों की स्थिति गंभीर हो जाती है। वहीं पानी की समस्या उत्पन्न हो जाने से महिला मेडिकल वार्ड के मरीज, व उनके परिजन के साथ-साथ ड्यूटी कर रहे स्टाफ नर्स भी परेशान रहे। पिने की पानी की तो किसी तरह व्यवस्था लोग कर रहे थे पर शौचालय के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

## तरंगित तार की चपेट में आने से युवक की मौत के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
राजपुर,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

डवरा पुलिस चौकी के अंतर्गत कोदौरा के जुनाडीह जंगल में बिजली करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई थी। इस मामले में डौरा चौकी पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

चौकी प्रभारी रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि ग्राम अतौरी निवासी 32 वर्षीय संतु चेरवा पिता रामनरेश चेरवा, 48 वर्षीय घुरसाय व 20 वर्षीय घमेश्वर शनिवार को मवेशी देखने कोदौरा गांव गए थे। मवेशी देखने के बाद तीनों घर लौट रहे थे। कोदौरा के देवाटन नाला जूनाडीह जंगल में रात्रि करीब 8 बजे संतु चेरवा शौच करने के लिए रास्ते से 20 मीटर अंदर की ओर गया। यहीं अज्ञात लोगों द्वारा जंगली जानवर मारने के लिए तरंगित तार लगाया हुआ था। संतु चेरवा तरंगित तार की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस अज्ञात के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने अनिल सिंह पिता स्व. सत्यनारायण सिंह उम्र 26 वर्ष, प्रभु राम पिता विधुन राम उम्र 42 वर्ष निवासी तोनी, देवराज पिता स्व. जगेश्वर उम्र 30 वर्ष, चन्द्रीका पिता राजकुमार उम्र 20 वर्ष निवासी कोदौरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के क्रम में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि 22 दिसंबर को रहर बाड़ी में रहर खाने आने वाले कोटरी को मारने के लिए 11 केबी विद्युत पोल से अवैध विधुत हुकिंग कर लगाया गया था। तरंगित तार के संपर्क में आने से सन्तु की मौत हो गई थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में चौकी प्रभारी उप निरी रविन्द्र प्रताप सिंह, सउनि पुष्पराज सिंह, प्रधान आरक्षक तसील लाल, आरसागर सिंह, सचित कुशवाहा, पवन जगत, अजय टोप्पो, सकेन्द्र पैकरा तथा सुरेन्द्र रवि शामिल रहे।

## विधायक राजेश अग्रवाल ने किया 22 लाख रुपए के ट्रांसफार्मर का लोकार्पण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

अटल सुशासन दिवस के अवसर पर आज छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कम्पनी अम्बिकापुर के तत्वावधान में शहर के अंदर 22 लाख रुपये की लागत से स्थापित 5 नग नए अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर का लोकार्पण विधायक राजेश अग्रवाल द्वारा किया गया। विधायक ने गंगापुर के यादव मोहल्ला में विद्युत विभाग द्वारा लगाए गए 100 के व्ही ए वितरण ट्रांसफॉर्मर का फीता काटकर

सभी 5 ट्रांसफॉमर को जनता के लिए समर्पित किये। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष राजकुमार बंसल सह कोषाध्यक्ष अभिषेक शर्मा,मधुसूदन शुक्ला, मुरारी लाल बंसल, रूपेश दुबे, कैलाश मिश्रा, शैलेंद्र शर्मा, दीक्षित यादव, अरूण मिश्रा, वेदांत तिवारी, सुषमा जायसवाल, नितिन गुप्ता शैलेंद्र चौबे एवं अन्य गणमान्य नागरिक, आम जनता तथा विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। यादव मोहल्ला गंगापुर के लोकार्पण के साथ ही शहर के बनारस रोड (बी टी आई के पास), आयुर्वेदिक अस्पताल गंगापुर, नेहरू विद्या मंदिर के निकट नमनाकला और पटपरिया में लगाये गए कुल 5 नग ट्रांसफॉर्मर आज चार्ज कर दिए गए। इन ट्रांसफॉर्मर के चालू हो जाने से इन क्षेत्रों में विद्युत सप्लाई की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ साथ उपभोक्ताओं को निरंतर बिजली प्राप्त होगी, विद्यमान ट्रांसफॉर्मरों से ओवरलोड कम होगा तथा लो वोल्टेज की समस्या से भी निजात मिलेगी। विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता द्वय एस पी कुमार एवं आर नागवंशी ने बताया कि इन 5 ट्रांसफॉर्मर के चार्ज हो जाने से जनता को काफी लाभ होगा, शिकायतें दूर होंगी और विद्युत सुविधा में बढोत्तरी होगी। इस अवसर पर सहायक यंत्री अभिनेष बंजारे भी उपस्थित रहे।

## बौद्धिक सत्र में छात्रों के बौद्धिक, मानसिक और स्वास्थ्य का होता है विकास

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सरस्वती महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिवस सुबह जागरण के साथ प्रारम्भ हुआ। इसके बाद अटल चौक पर साफ-सफाई किये। इसके इसके बाद अटल चौक सुशासन दिवस मनाए इसके बाद बौध्दिक सत्र में थीम मानव अधिकार पर छत्तीसगढ़ के मानव अधिकार के अध्यक्ष अजित सिंह जिला अध्यक्ष अरविंद तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉबीपी तिवारी उपस्थित तथा कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव थे।

प्राचार्य डॉ तिवारी ने सभी अतिथियों को स्वागत करते हुए बताया कि बौद्धिक सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रों बौद्धिक और मानसिक, स्वास्थ्य विकास होता है। मुख्य वक्ता डॉ. अजीत सिंह ने मानव अधिकार तथा मानव कर्तब्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके पश्चात मानव अधिकार के जिला अध्यक्ष ने छात्रों के अधिकार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में मंच संचालन गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रवीण शर्मा तथा आभार प्रदर्शन राष्ट्रीय सेवा योजना के सह प्रभारी रानू निशा ने किया। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ मीना पटेल , राम नरेश तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त सदस्य उपस्थित थे। बौध्दिक सत्र के बाद सभी राष्ट्रीयसेवा योजना के सदस्यों ने चाय ली एवं सामुहिक खेल खेले इसके बाद जन संपर्क के लिये समूह बना कर ग्रामीण क्षेत्रों मे लोगों से मिले इसके पश्चात शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रस्तुति दिये जिसमें ग्रामवासियों ने भी आनंद लिया।

## सुशासन दिवस के कार्यक्रम में प्रशासनिक अव्यवस्था,जताई गई नाराजगी

- संवाददाता -
सूरजपुर,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस को सुशासन दिवस के रूप में मनाने प्रशासनिक तौर पर यहां ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम

रखा गया था इस कार्यक्रम में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े विशेष रूप से उपस्थित रही। इस कार्यक्रम में भारी अव्यवस्था का भी आलम देखा गया मंत्री पद की शपथ लेने के बाद प्रशासनिक कार्यक्रम में पहली बार पहुंची मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का प्रवेश द्वार पर स्वागत के लिए प्रशासन का कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं रहा अलबत्ता उन्हे सीधे अंदर आना पड़ा और कार्यक्रम स्थल पर स्वागत हुआ दूसरी ओर कार्यक्रम के दौरान ही विद्युत की आंख मिचौली का खेल चलता रहा जिससे टीवी स्क्रीन पर मुख्यमंत्री के द्वारा किसानों को दिया जा रहा धान बोनस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने में असुविधा हुआ बिजली जब आई तो टीवी में तकनीकी खराबी आ गई जिससे सीधा प्रसारण को ठीक से देखा नहीं जा सका हांलाकि बाद में टीवी स्क्रीन को ठीक कराया गया ।बैठक व्यवस्था को लेकर भी नाराजगी देखी गई कुर्सियों का अभाव रहा कई किसान व भाजपा कार्यकर्ता खड़े रहे। प्रशासनिक कार्यक्रम में इस तरह की अव्यवस्था को लेकर भाजपा कार्यकर्ता नाराज दिखे।

## पीयूष त्रिपाठी ने मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सरगुजा संभाग से किया प्रतिनिधित्व

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शासकीय जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ कॉलेज, रायपुर तथा एस.के.टी.डी. विधि महाविद्यालय, रायपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में हिन्दी भाषा में आयोजित प्रदेश के प्रथम राज्य स्तरीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में हत्या के मामलों में दाण्डिक एवं प्रक्रियात्मक प्रावधान विषय अन्तर्गत एक केस दिया गया, जिसमें मध्यप्रदेश राज्य रतलाम की ओर से मृतक रूपचंद की हत्या के आरोपियों के विरुद्ध अभियोजन एवं बचाव पक्ष, दोनों ओर से बहस की जानी थी।

इसके अतिरिक्त प्रकरण की सम्पूर्ण केस फाईल तैयार कर एफआईआर, पोस्टमॉर्टम, फॉरेन्सिक रिपोर्ट, फिंगर प्रिंट रिपोर्ट, हत्या में प्रयुक्त हथियार की जब्ती, साक्षियों के कथन सहित इसमें प्रयुक्त धाराओं और उनके कारण को भी बतलाना था।

प्रदेशभर से इसमें 12 विधि महाविद्यालयों की टीमें सम्मिलित हुई, प्रत्येक टीम में तीन सदस्य थे।

पूरे सरगुजा संभाग के प्रतिनिधि के रुप में शासकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय, विधि विभाग, अम्बिकापुर की ओर से पीयूष कुमार त्रिपाठी और सतीश तिवारी वक्ता के रुप में, जबकि पीयूष कुमार त्रिपाठी ने पूरे प्रकरण के शोधकर्त्ता के रुप में प्रतिनिधित्व किया।

प्राथमिक राउंड में चयनित होने के उपरान्त पी जी कॉलेज, विधि विभाग, अम्बिकापुर की टीम को फ़ाईनल राउंड में चिट उठाने पर बचाव पक्ष मिला।

जिसमें पीयूष कुमार त्रिपाठी

ने 302, 201, 34 के आरोपी अभियुक्तों के पक्ष में धारा प्रवाह बोलते हुए पूरी सभा को स्तब्ध कर दिया। सटीक धाराओं के साथ अभियोजन की कमियों को बताते हुए न केवल अभियोजन को निरुत्तर कर दिया वरन् माननीय न्यायधीशों को भी आश्चर्यचकित कर दिया। पीयूष त्रिपाठी द्वारा प्रकरण में कई ऐसे सूक्ष्म बिन्दु रेखांकित किए गए, जिसकी कल्पना भी किसी न्यायविद ने नहीं की थी।

माननीय न्यायधीशों ने अलग से नाम पूछ कर रेखांकित उन बिंदुओं पर विस्तार से प्रश्न पूछे और उनके उत्तरों से पूर्णतः संतुष्ट व प्रसन्न हुए।

प्रस्तुति के बाद ज़ब माननीय न्यायधीशों, प्रदेश भर से आए विधिवेत्ताओं तथा विभिन्न महाविद्यालयों के विधिध्यापकों सहित छात्रों की सराहना ज़ब सर्वश्रेष्ठ मूटर के प्रथम पुरस्कार में परिवर्तित हुई तो वह क्षण सरगुजा संभाग के लिए अत्यन्त ही गौरवपूर्ण बन गया। प्रथम पुरस्कार के लिए पीयूष कुमार त्रिपाठी का नाम पुकारते ही पूरा सभाकक्ष तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज गया।

राज्य स्तरीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के निर्णायक माननीय नीलमचंद सांखला वरिष्ठ न्यायधीश एवं सदस्य राज्य मानवाधिकार आयोग, माननीय टी. के. झा, जिला एवं सत्र न्यायधीश (सेवा निवृत्त) एवं राज्य मानवाधिकार आयोग के संयुक्त सचिव न्यायधीश श्याम कुमार साहू, प्राचार्य छत्तीसगढ़ कॉलेज रायपुर डॉ. अमिताभ बनर्जी, विभागाध्यक्ष विधि विभाग डॉ. विनीता अग्रवाल व डॉ. प्रीति सतपथी उपस्थित रहे।

# ईरान ने नकारा अरब सागर में तेल टैंकर पर ड्रोन हमले का आरोप,अमेरिका के दावों पर कही ये बात

**नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2023।** शनिवार को हिंद महासागर में मालवाहक जहाज पर ड्रोन के हमले के बाद से भारतीय नौसेना सतर्क हो गई है। अमेरिका ने इस हमले का आरोपी ईरान पर लगाया है। इसी बीच, सोमवार को ईरान ने अमेरिका के गंभीर आरोपों को खारिज कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका के लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं। बता दें 23 दिसंबर को गुजरात तट के पास अरब सागर में एक रासायनिक टैंकर पर हमला किया था।

### अमेरिका के आरोप बेबुनियाद- ईरान विदेश मंत्रालय

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की प्रतिक्रिया उस वक्त सामने आई जब अमेरिका ने रासायनिक टैंकर का आरोपी ईरान को ठहराया था। बता दें यह घटना शनिवार सुबह लगभग 10 बजे वेरावल से लगभग 200 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में हुई। हालांकि इस हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन जहाज को खासा नुकसान पहुंचा है।

### अमेरिका ने लगाया ईरान पर गंभीर आरोप

समाचार एजेंसी रॉयटर्स को दिए पेंटागन के प्रवक्ता के बयान के मुताबिक, जहाज पर ईरान की ओर से दागे गए एकतरफा हमले वाले ड्रोन ने आक्रामण किया था। लाइबेरिया के झंडे लगा हुआ केम प्लूटो जहाज ईरान से दागे गए ड्रोन हमले का शिकार हो गया है।

### भारतीय नौसेना ने दी टैंकर को सुरक्षा

बता दें कि तेल टैंकर पर हमला शनिवार सुबह करीब 10 बजे हुआ। टैंकर पर सवार चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं, जिनमें करीब 20 भारतीय भी शामिल हैं। ड्रोन हमले से टैंकर पर आग लग गई थी लेकिन इसे बुझा दिया गया और ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। जिस वक्त टैंकर पर हमला हुआ, वह भारत की तटीय सीमा से करीब 200 नॉटिकल माइल्स की दूरी पर था। हमले की सूचना मिलते ही भारतीय नौसेना ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और एक एयरक्राफ्ट टैंकर की सुरक्षा के लिए रवाना किया। साथ ही भारतीय तटरक्षक बलों के जहाज आईसीजीएस को भी टैंकर की सुरक्षा के लिए रवाना किया गया।

# चीन में भूकंप से मरने वालों का आंकड़ा 149 हुआ,गानसू प्रांत में सबसे ज्यादा नुकसान

**बीजिंग, 25 दिसम्बर 2023।** चीन में भूकंप से मरने वालों का आंकड़ा 149 हो गया है और दो लोग अभी भी लापता हैं। बता दें कि चीन के उत्तर पूर्वी हिस्से में बीती 18 दिसंबर को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया था। यह इस क्षेत्र में बीते नौ सालों का सबसे ताकतवर भूकंप था, जिसमें भारी तबाही हुई। इस भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। जिससे चीन के गानसू प्रांत के जिशीशान काउंटी, मिन्हे काउंटी और पड़ोसी राज्य किनघई में काफी नुकसान हुआ।

### गानसू राज्य में 117 लोगों की गई जान

किनघई राज्य में इस भूकंप से 32 लोगों की मौत हुई है और दो अभी लापता हैं। यहां 200 लोग घायल भी हुए हैं। वहीं गानसू राज्य में 117 लोगों की मौत हुई है और 781 लोग घायल हैं। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने शनिवार को भूकंप प्रभावित इलाकों का दौरा किया। घायलों में 17 लोगों की हालत गंभीर है, ऐसे में मृतकों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। चीन में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है, ऐसे में सरकार भूकंप प्रभावितों को बड़े पैमाने पर राहत सामग्री बांट रही है। जिनमें गर्म बिस्तर और कपड़े भी शामिल हैं। इससे पहले साल 2014 में चीन के युन्नान प्रांत में भूकंप आया था, जिसमें 617 लोगों की मौत हुई थी।

# ईरानी नौसेना में नई स्वदेशी मिसाइल प्रणाली, हेलीकॉप्टर शामिल

**तेहरान ,25 दिसंबर 2023।** ईरानी नौसेना ने दक्षिणपूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में आयोजित एक समारोह में क्रूज मिसाइल प्राणाली और हेलीकॉप्टर सहित नए घरेलू हथियारों की आपूर्ति प्राप्त की। जानकारी के अनुसार, कोनारक काउंटी में आयोजित समारोह में सेना के कमांडर

अब्दोलरहीम मौसवी, नौसेना कमांडर शाहराम ईरानी और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हुए। आईआरएनए के अनुसार, हथियारों और उपकरणों में तलाइह और नासिर क्रूज़ मिसाइल प्रणाली, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों से लैस और टोही अभियानों में सक्षम हेलीकॉप्टर और वाहक-लॉन्च कामिकेज़ ड्रोन शामिल हैं।श्री ईरानी ने समारोह में कहा कि तलइह प्रणाली की परिचालन सीमा 1,000 किलोमीटर है और यह उड़ान में दिशा परिवर्तित कर सकती है, जबकि 100 किलोमीटर की रेंज वाले नासिर में उच्च विनाशकारी शक्ति है और इसे विभिन्न वर्गों के रॉकेट लॉन्चिंग जहाजों पर स्थापित किया जा सकता है।

# मुंबई हमले के मास्टमाइंड हाफिज सईद समर्थित PMML पार्टी ने उतारे उम्मीदवार,नवाज शरीफ को भी दी चुनौती

**लाहौर, 25 दिसम्बर 2023 ।** पाकिस्तान में आम चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। आठ फरवरी को पाकिस्तान में होने वाले आम चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। हैरत की बात है कि 2008 के मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद की राजनीतिक पार्टी भी इस चुनावों में अपने उम्मीदवार खड़े कर रही है। हाफिज सईद ने अपने नए राजनीतिक संगठन से राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए हैं।

बता दें लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का संस्थापक हाफिज सईद, प्रतिबंधित जमात-उद-दावा (जेयूडी) के कुछ अन्य नेताओं के साथ कई आतंकी वित्त मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद 2019 से जेल में है। पाकिस्तान मिल्ली मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) पार्टी का कहना है कि यह एक राजनीतिक पार्टी है, जिसका चुनाव चिन्ह कुर्सी है।

हाफिज सईद के बेटे को मिला टिकट

पीएमएमल के अध्यक्ष खालिद मसूद सिंधु ने कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। उन्होंने

कहा कि हम भ्रष्टाचार के लिए नहीं बल्कि लोगों की सेवा करने और पाकिस्तान को एक इस्लामिक कल्याणकारी राज्य बनाने के लिए सत्ता में आना चाहते हैं। बता दें खालिद मसूद सिंधु NA-130 लाहौर से उम्मीदवार हैं, जहां से पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ भी चुनाव लड़ रहे हैं। हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद लाहौर के एनए-127 से उम्मीदवार बनाया गया है। हालांकि खालिद मसूद सिंधु ने सोमवार को दावा किया कि हाफिज सईद का पीएमएमएल से कोई लेना-देना नहीं है।

2024 के चुनावों के लिए, एमएमएल पर प्रतिबंध के कारण पीएमएमएल का गठन किया गया है। अमेरिका ने आतंकवादी हाफिज सईद पर 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम रखा है। हाफिज सईद की जमात उद दावा, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का ही संगठन है, जो 2008 के मुंबई हमले को अंजाम देने के लिए जिम्मेदार है। इस हमले के दौरान छह अमेरिकियों समेत 166 लोगों की मौत हो गई थी।

# पुतिन विरोधी नवलनी का 20 दिन बाद मिला पता,आर्कटिक की जेल में किया गया शिफ्ट,पार्टी बोली-जानबूझकर...

**मॉस्को, 25 दिसम्बर 2023।** जेल में बंद पुतिन के आलोचक एलेक्सी नवलनी रूस के यमल-नेनेट्स क्षेत्र में एक जेल में बंद हैं। उनकी प्रवक्ता किरा यारमिश द्वारा समाचार एजेंसी रॉयटर्स को दिए बयान में कहा गया कि नवलनी के वकील उनसे आखिरकार मिल पाएं। बता दें कुछ दिनों पहले अमेरिका ने जेल में बंद रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी को लेकर चिंता व्यक्त की थी। अमेरिका विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा था कि हम एलेक्सी नवलनी के ठिकाने के बारे सोचकर चिंतित हैं, लगभग तीन सप्ताह से रूस की जेल में वो गायब हैं।

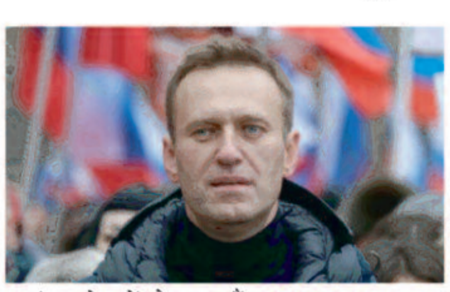

एलेक्सी नवलनी की प्रवक्ता किरा यारमिश ने कहा कि एक अदालत के सूत्र ने उन्हें बताया कि नवलनी को मॉस्को की जेल से हटाकर किसी अज्ञात स्थान पर स्थित जेल में ले जाया गया है। एलेक्सी नवलनी की टीम ने कहा कि मार्च में चुनाव से पहले इसे जानबूझकर किया गया है। बता दें व्लादिमीर पुतिन के मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी 47 वर्षीय एलेक्सी नवलनी को 2018 में चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। उन्हें ÷अतिवाद÷ के आरोप में 2021 में 19 साल की जेल की सजा मिली।

समाचार एजेंसी को प्रवक्ता किरा यारमिश द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, नवलनी को मॉस्को से लगभग 1,900 किमी (1200 मील) उत्तर पूर्व में यमल-नेनेट्स क्षेत्र के खारप में आईके-3 में ट्रैक किया गया था। नवलनी के वकील इवान जदानोव ने कहा कि हमारे समर्थकों, कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और मीडिया को धन्यवाद।

# सुशासन दिवस पर जिले के किसानों को मिला लंबित बोनस राशि

## ऑडिटोरियम में आये प्रत्येक किसान के चेहरे पर दिखी खुशी

- संवाददाता -
सूरजपुर, 25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर आज धान बोनस राशि वितरण को लेकर सूरजपुर ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम रखा गया था । जिसमें नवनिर्वाचित श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मंत्री छत्तीसगढ़ शासन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल थीं। इसके साथ ही जिले से भारी संख्या में कृषक भी ऑडिटोरियम स्थल पर उपस्थित थे। आज के कार्यक्रम में उपस्थित सभी कृषक खरीफ वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 की लंबित बोनस राशि मिलने पर प्रसन्नचित मुद्रा में दिखाई दे रहे थे। सभी के चेहरों में खुशी के भाव थे, इसके साथ ही शासन के प्रति उनका बढ़ता विश्वास साफ उनके चेहरों में साफ़ दिख रहा था।

मुख्य अतिथि श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उपस्थित कृषक जनों को संबोधित किया गया। जिसमें उन्होंने सबसे पहले तो कृषक बंधुओं को खरीफ वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 के अंतर्गत मिलने वाले लंबित बोनस राशि के मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा आज एक क्लिक में आप सभी के खातों में आपके मेहनत की कमाई राषि के रूप में आपके खाते में अंतरित हुई है। हमारी शासन ने जो वादा किया था उसे आज उसने निभाया भी है। किसानों के प्रत्येक अन्न का दाम उन्हें मिले इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है और इसके लिए शासन हमेशा सकारात्मक कदम उठायेगी।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम द्वारा जिले के किसानों को मिलने वाले बोनस राशि पर उन्हें बधाई दी गई। इसके साथ ही उन्होंने ऑडिटोरियम में उपस्थित जनों को सुशासन दिवस की शपथ भी दिलवाई।

कार्यक्रम में बाबूलाल अग्रवाल, अजय गोयल, श्रीमती सुमन सिंह, पुष्पा सिंह, थलेश्वर साहू, राजेश अग्रवाल, संस्कार अग्रवाल,कौशल सिंह,संदीप अग्रवाल, सुरेंद्र राजवाड़े, रामनारायण जायसवाल, बीना गुप्ता, कृषक जन, जनप्रतिनिधि व अधिकारी एवं कर्मचारीगण का उपस्थित थे।

# धान बोनस वितरण और सुशासन दिवस कार्यक्रम में विधायक राजेश अग्रवाल हुए शामिल

## मंच से अधिकारियों को निर्देश...जनता को ना हो परेशानी

- संवाददाता -
लखनपुर, 25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड में 25 दिसंबर दिन सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जनपद कार्यालय के सभा कक्ष में धान बोनस वितरण समारोह और सुशासन दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अतिथि के रूप में विधायक राजेश अग्रवाल शामिल हुए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया जहां। ब्लॉक के अधिकारियों के द्वारा फूलमाला पहना कर अतिथियों का स्वागत किया गया तत्पश्चात विधायक राजेश अग्रवाल ने सुशासन की शपथ दिलाते हुए उपस्थित अधिकारियों, किसानो और जन समुदाय को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्ग अटल बिहारी वाजपेई जी की जीवनी पर प्रकाश डाला साथ ही मंच से अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासन बदल गया है जनता का सेवा सबसे बढ़िया कर्तव्य है। जिसका पालन होना चाहिए। और जनता किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो इसका विशेष ख्याल रखें।

### विकासखंड के 6814 किसानों को 1083.82लाख बोनस वितरण हुआ

2 वर्षों की धान बोनस वितरण लखनपुर विकास खंड के कुल 6814 किसानों को 1083.82 लख रुपए बोनस का वितरण हुआ। वर्ष 2014-15 में 3282 किसानों को कल 464.95 लख रुपए बोनस वितरण हुआ तो वही 2015-16 में 3532 किसानों को कल 618.87 लख रुपए बोनस वितरण किया गया।

### निबंध कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

नगर पंचायत लखनपुर मे सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म दिवस को सुशासन दिवस के रूप में मनाते अटल बिहारी बाजपेयी जी के जीवन पर आधारित निबंध प्रतियोगिता, एवं कविता पाठ / कविता लेखन कराई गई । जिसमें आत्मानंद स्कुल , कन्या उच्चतर माध्यमिक विधालय,अचीवर स्कुल,नेहरू बाल मंदिर , गुरूकुल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

लखनपुर जनपद पंचायत के 74 ग्राम पंचायत के अटल चौक में सरपंच सचिव व ग्राम वासियों के द्वारा देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। पंचायत की ओर से गांव के अटल चौक के मरम्मत व रंग- रोगन करते हुए अटल चौक में उनके पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी के छायाचित्र के समक्ष अगरबत्ती जिला पुष्प अर्पित करते हुए उनके बताए हुए मार्गो पर चलने का संकल्प लिया।

### हमर क्लीनिक परिसर में विधायक ने की साफ सफाई

सुशासन दिवस के अवसर पर अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल के द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर प्रात 8 बजे वार्ड क्रमांक 09 स्थित मेन रोड लखनपुर में हमर क्लीनिक अस्पताल परिसर की साफ सफाई किया गया। राजेश अग्रवाल,नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री साहू,भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू हरविंद अग्रवाल,अमित बारी , सुजीत चौधरी,चन्द्रभान सिंह,राकेश अग्रवाल,मुकेश साहू,मुख्य नगरपालिका अधिकारी जितेंद्र बहादुर पटेल,सफाई दरोगा चन्द्रशेखर चौधरी,प्लबंर रमेश ठाकुर , विनेश राम खलखो , कचरा कलेक्शन वाली स्वच्छता दीदीयां सहित सफाई कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थें।

### विधायक बनने के बाद पहली बार लखनपुर नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे राजेश अग्रवाल

नगर पंचायत लखनपुर में दिनांक 25 दिसबंर 2023 दिन सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म दिवस को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया । इसी तारतम्य में नगर पंचायत कार्यालय में विधायक बनने के बाद पहली बार पहुंचे राजेश अग्रवाल जहां अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू नगर पंचायत उपाध्यक्ष रामनारायण दुबे, पार्षदगणों एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा फूल माला पहनाकर एवं गुलदस्ता भेटकर आत्मीय स्वागत किया गया। तत्पश्चात विधायक राजेश अग्रवाल ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के छायाचित्र पर फूल माला पहनाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा नगर पंचायत श्रीमती सावित्री दिनेश साहू के साथ विधायक राजेश अग्रवाल द्वारा सभी जनप्रतिनिधियों,अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुशासन का शपथ दिलाया गया। विधायक श्री अग्रवाल द्वारा अटल बिहारी बाजपेयी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनकी राजनीतिक जीवन के बारे में बताया । कार्यक्रम का समापन भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू के उद्बोधन के बाद समाप्त हुआ। आभार प्रदर्शन मुख्य नगरपालिका अधिकारी जितेंद्र बहादुर पटेल जी के द्वारा किया गया। पार्षद बृजकिशोर पांडेय,पार्षद अमित बारी , दिनेश बारी , समीम खान, अशफाक खान सचिन अग्रवाल,मुख्य नगर पालिका अधिकारी जितेंद्र बहादुर पटेल , सहायक ग्रेड 02 विधासागर चौधरी , सहायक ग्रेड 03 नारायण मिश्रा , स.रा.नि. जितेंद्र प्रताप सिंह ,सफाई दरोगा चन्द्रशेखर चौधरी सभी स्वच्छता दीदीयां , समस्त सफाई कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थें।

# क्या सत्ता बदलते ही नेता व समर्थक का कांग्रेस से मोह होने लगा भंग...संघ की शरण में पहुंचा कांग्रेस का एक युवा कार्यकर्ता ?

## खड़गंवा में चल रहा है राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का प्राथमिक वर्ग...घर छोड़ सात दिवस के लिए शामिल होने पहुंचे खड़गवां सरस्वती शिशु मंदिर

» ऐसा क्या हुआ कि कांग्रेस के लिए जी जान से काम करने वाला कार्यकर्ता अब सत्ता सुख भोगने भाजपा के संपर्क में

» पिछले दिनो एक मध्यस्थ ने विधायक भईयालाल राजवाड़े से भी कराई थी मुलाकात

» क्या सत्ता बदलते ही कई कांग्रेसी भाजपा खेमें में कर सकते हैं प्रवेश ?...भाजपा के लिए सुखद पर कांग्रेस के लिए परेशानी बढ़ी

- रवि सिंह -
कोरिया 25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

ऐसा क्या हुआ कि 2023 में संपन्न हुए विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस के लिए जी जान से काम करने वाला एक युवा कार्यकर्ता का सत्ता बदलते ही रंग बदलता गया? अब सवाल यह है कि कांग्रेस से मोह भंग हो गया है या फिर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विचार ने उसके मन को बदल दिया है? या सत्ता का सुख भोगने के लिए वह भाजपा के नेताओं से संपर्क कर रहा है? तो वहीं इन दिनों वह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की शरण में पहुंच गया है, 3 दिसंबर को प्रदेश से कांग्रेस की विदाई होते ही यह कांग्रेसी कार्यकर्ता भाजपाईयो से संपर्क करने लगा था,साथ ही एक मध्यस्थ ने पिछ्ले दिनों युवा कार्यकर्ता की मुलाकात विधायक भईयालाल राजवाड़े से भी कराई है,युवा कार्यकर्ता भरतपुर सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो एवं बैकुंठपुर विधायक अंबिका सिंहदेव का भी प्रबल समर्थक माना जाता था।

वैसे यहां जिस युवा कार्यकर्ता की बात हो रही है वह बीच में ही अपनी पार्टी के सभी पदों की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया चुका था इस्तीफा भले ही स्वीकार न हुआ हो पर इनका मोह कांग्रेस के प्रति बना हुआ था पर अचानक 3 दिसंबर के परिणाम के बाद इनका विचार भी बदलता दिख रहा, अब सवाल यह है कि इनका कांग्रेस के प्रति मोह भंग हो चुका है और भाजपा के प्रति इनका झुकाव दिखने लगा है अब यह झुकाव दिल से है या फिर समय के साथ बदला बदला है यह तो समय के गर्भ की बात है? पर यदि सही में विचार बदल गया है और संघ व भाजपा से जुड़कर आगे बढ़ना चाहते हैं तो फिर यह भाजपा के लिए सही है पर वहीं कांग्रेस के लिए दुखद है ,यदि ऐसे ही कांग्रेस में छटनी होती रही तो भाजपा समुद्र बनती जायेगी और कांग्रेस सिकुड़ती जाएगी। वैसे युवा कार्यकर्ता ने घर द्वार छोड़कर साथ दिवसीय आर एस एस के शिविर में जाना उचित समझा है जहां इस फैसले की बहुत जगह तारीफ हो रही है तो आलोचना भी हो रही है आलोचना इनके विरोधियों के द्वारा की जा रही है पर वही यदि पार्टी व अन्य दृष्टि देखे तो इसे हृदय परिवर्तन माना जा रहा है।

### कांग्रेस के लिए किया था भरपूर मेहनत

प्रदेश से कांग्रेस सरकार की विदाई होते ही पाला बदलने को तैयार यह कांग्रेस का युवा कार्यकर्ता नीलेश पांडेय है जो कि पटना क्षेत्र में कांग्रेस की मजबूती के लिए काम कर रहा था,वह काफी समय से कांग्रेस से जुड़ा है,बीच में उसने राजनीति

से त्यागपत्र देने की बात कहकर पार्टी से दूरी भी बना ली थी किंतु कुछ समय बाद ही पुनःपार्टी में सक्रिय हो गया। उसके द्वारा पटना रनई क्षेत्र में काम किया जा रहा था। यह युवा कार्यकर्ता रायपुर से लेकर कोरिया तक कांग्रेस के विभिन्न कार्यक्रम में सक्रिय रहता था। बतलाया जाता है कि संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेसी कार्यकर्ता के रूप में नीलेश पांडेय के द्वारा आमसभा से लेकर हर चुनावी मंच में कांग्रेस के लिए वोट मांगा जा रहा था,उसने चुनाव में पूरी मेहनत किया था। वरिष्ठ कांग्रेसियों को पीछे छोड़ते हुए उसके द्वारा काफी मेहनत किया गया था। मतदान के बाद भी उसके द्वारा अंबिका सिंहदेव के जीत के दावे सोशल मीडिया मे किये जा रहे थे। लेकिन चुनाव परिणाम विपरीत आने के बाद उसके द्वारा एक चाल के तहत पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने की कोशिश की जा रही है,जाहिर सी बात है कि ऐसे सत्ता के साथी लोगो से पार्टी कार्यकर्ताओ में निराशा देखने को मिलती है,कई भाजपाईयो का कहना है कि चुनाव में उसने पूरी उर्जा के साथ भाजपा को हराने का काम किया है,नेताओं से लेकर पार्टी के बारे में भी अपशब्दो का प्रयोग किया गया यहीं नही भाजपाईयो को उसके द्वारा ललकारा भी जाता रहा है। लेकिन अब सत्ता का फायदा लेने और स्वार्थ सिद्ध करने के लिए उसके द्वारा पाला बदलने की बात कही जा रही है जिसका विरोध किया जाएगा। कार्यकर्ताओ का कहना है कि हमने पूरे पांच वर्ष स्थानीय विधायक और कांग्रेस सरकार का दंश झेला है और जो कार्यकर्ता कांग्रेस सरकार में मजा मार रहा था वहीं अब सत्ता बदलते ही पाला बदलना चाह रहा है जो कि बर्दाश्त नही किया जाएगा।

### सोशल मीडिया से गायब किया कई पोस्ट

नीलेश पांडेय एक शातिर युवा कार्यकर्ता बतलाया जाता है उसके द्वारा अपने सोशल मीडिया में कांग्रेस के पक्ष में लगातार प्रचार प्रसार किया जा रहा था स्थानीय विधायक रहीं अंबिका सिंहदेव के पक्ष में भी लगातार कैंपेनिंग चलाइ जा रही थी लेकिन सत्ता बदलते ही उसने अपना रंग बदल दिया है यहीं कारण है कि अब उसके सोशल मीडिया पोस्ट पर नजर डाली जाए तो कांग्रेस से संबंधित सारे पोस्ट उसके द्वारा हटा दिये गए हैं।

### भाजपा में आने की आस,पहुंचा संघ के प्रशिक्षण वर्ग में

जैसा कि जनचर्चा है वह कट्टर कांग्रेसी युवा कार्यकर्ता प्रदेश में सरकार बदलते ही भाजपा प्रवेश की राह पर है,स्वार्थ सिद्व करने के लिए उसके द्वारा भाजपाई बनने की कोशिश की जा रही है। और इन दिनो वह आरएसएस की शरण में है। सूत्रो ने बतलाया कि इन दिनो खड़गंवा में आरएसएस का सात दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण वर्ग चल रहा है,जिसमें यह युवा कार्यकर्ता भी शामिल हो रहा है,प्रशिक्षण वर्ग पूरी तरीके से आवासीय है और वह इसका हिस्सा बना हुआ है। युवा कार्यकर्ता सत्ता बदलते ही संघ के माध्यम से भाजपा में इंट्री करना चाह रहा है जो कि भाजपाईयो को रास नही आ रहा है। गुलाब कमरो और अंबिका सिंहदेव का गुणगान करने वाला और कांग्रेसी विचारधारा का यह कार्यकर्ता जाहिर सी बात है अपने स्वार्थ सिद्धी के लिए ही संघ और भाजपा में अपनी राह तलाश रहा है वह कहीं से संघ और भाजपा की विचारधारा से मेल नही खाता लेकिन उसके इस चाल से लोग हतप्रभ है। इस बारे में स्थानीय संघ पदाधिकारियो समेत भाजपा के नेताओं को भी विचार करना चाहिए।

# सुशासन दिवस पर एमसीबी जिले में 6 करोड़ 45 लाख व कोरिया जिले में 16 करोड़ रुपए किसानों के खाते डाले गए व दिया गया प्रमाण-पत्र

» एमसीबी में कैबिनेट मंत्री तो कोरिया में विधायक ने दो वर्षों के धान का प्रोत्साहन योजना प्रमाण पत्र किसानों को दिया

» कैबिनेट मंत्री के प्रथम आगमन पर कलेक्टर सहित जिले के अधिकारियों ने किया भव्य स्वागत

» बकाया धान बोनस राशि मिलने से किसानों के चेहरे में आई मुस्कान

» जिलास्तरीय आयोजन में विधायक भइया लाल राजवाड़े ने किसानों का किया जय-जयकार

- संवाददाता -
कोरिया/एमसीबी 25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कैबिनेट मंत्री बनने के पश्चात श्याम बिहारी जायसवाल का मनेन्द्रगढ़ में भव्य स्वागत किया। सर्वप्रथम वे चैनपुर स्थित मंडी प्रांगण पहुंचे, जहां एमसीबी जिले के कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा ने उनका स्वागत किया, वहीं जिले के सभी विभागों के विभागाध्यक्षों के द्वारा भी कैबिनेट मंत्री का भव्य स्वागत किया गया।

इसके पश्चात मंत्री के द्वारा राष्ट्रीय सुशासन दिवस के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 दो वर्षों का धान उत्पादन प्रोत्साहन योजना अर्न्तगत जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के तत्कालिक दस समितियों में क्रय किये गए धान के विरूद्ध धान उत्पादन प्रोत्साहन राशि का भुगतान वर्ष 2014-15 के लिए 3364 कृषकों की बोनस राशि चार करोड़ इक्यासी लाख रूपये एवं 2015-16 में 1315 किसानों की बोनस राशि एक करोड़ चौहत्तर लाख रूपये, इस प्रकार कुल 4679 किसानों के बैंक खाते में कुल छः करोड़ पैतालिस लाख रूपये अंतरित किए गए का प्रमाण पत्र किसानों को दिया गया। एमसीबी के जिन किसानों को बोनस राशि दी गई उनमें अताउल्लाह ग्राम सिरौली को 308.40 क्विंटल धान का 92,520 रू. लालपुर के कौशल को 117.20 क्विंटल धान का 35,160 इसी प्रकार पिपरिया के छत्रपति को 39,240 रू., लालपुर के जीतेंद्र 62,400 रू., भलौर ग्राम के संतोष 8,640 रू. विष्णु प्रसाद पिपरिया को 13800 रू., भलौर के ही रामसुभग 40,920 रू. मदन मोहन शंकरपुर 33120 रू. बुंदेली के विजय बहादुर 16,800 रू. एवं बुंदेली के ही चरकूराम को 35,400 रू., डंगौरा ग्राम पंचायत के कृषक भारत सिंह 8,640 रू., कठोतियां के ठाकुर दयाल को 13,560 और रंजु देवी को 5,8,80 रू. तथा गुलाब नबी खरबैना को 21,840 रू. के बोनस का प्रमाण पत्र दिया गया। इस तरह कुल 3,78,240 रू. का बोनस उपरोक्त किसानों के खातें में राज्य शासन द्वारा जमा कराया जा चुका हैं जिसका प्रमाण पत्र सुशासन दिवस कार्यक्र म अवसर पर छ.ग. शासन के नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के द्वारा दिया गया। वर्तमान में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी - भरतपुर में 14 समितियों के 24 धान उपार्जन केन्द्र के माध्यम से कुल 18171 पंजीकृत किसानों से लगभग 8,55,890 क्विंटल धान क्रय किया जाना है। अभी तक जिले में 3540 किसानों से 1,80,642 क्विंटल धान क्रय की जा चुकी है। इसके पश्चात सुशासन दिवस जनता को संबोधित किया। वहीं विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत उज्जवला योजना एवं विभिन्न योजनाओं का लाभ भी लोगों को दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में कलेक्टर द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत उपस्थित लोगों को भारत को आत्मनिर्भर तथा विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलायी गयी

इस दौरान कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा, संयुक्त कलेक्टर सी.एस.पैकरा, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम श्रीमती अभिलाषा पैकरा, जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा सहित जिले के समस्त जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

### कोरिया जिले में वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 की धान की बकाया बोनस की राशि किसानों के खाते में डाले गए

दूसरा आज पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन को सुशासन दिवस में मनाया गया और तीसरा प्रदेश सहित कोरिया जिले में वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 की धान की बकाया बोनस की राशि किसानों के खाते में डाले गए। आज बैकुंठपुर के लोकप्रिय विधायक भइया लाल राजवाड़े ने जिलास्तरीय धान बोनस कार्यक्रम में खरवत चौक पर आयोजित कार्यक्रम में जिले के 9 हजार 756 किसानों को वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 के बकाया धान बोनस की राशि को डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में डाल गया। बता दे कोरिया जिले के धान खरीदी वर्ष 2014-15 में पटना व गिरजपुर, चिरमी, छिन्दडांड़, जिल्दा, धौराटिकरा, पोंडी, रजौली, सरभोंका, सोनहत धान उपार्जन केन्द्र के 6 हजार 710 किसानों को 11 करोड़ 44 लाख 46 हजार 760 रुपये राशि तथा वर्ष 2015-16 के पटना व गिरजपुर, चिरमी, छिन्दडांड़, जिल्दा, धौराटिकरा, पोंडी, रजौली, सरभोंका, सोनहत धान उपार्जन केन्द्र के 3 हजार 46 किसानों को 4 करोड़ 68 लाख 17 हजार 400 रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से किसानों के खाते में डाले गए। इस तरह कोरिया जिले के 9 हजार 756 किसानों के 16 करोड़, 12 लाख 64 हजार रुपए का अंतरण डीबीटी के माध्यम से हुआ।

### बटन दबाया और प्रदेश के लाखों किसानों के खाते में करोड़ो रुपये डाले गए

खरवत चौक में आयोजित कार्यक्रम में किसानों, ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक भइया लाल राजवाड़े ने कहा कि आज अटल जी का जन्मदिन है और सुखद संयोग है कि हमारे अन्नदाताओं को उनके बकाया बोनस के राशि आज प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मोदी की गारंटी पर बटन दबाया और प्रदेश के लाखों किसानों के खाते में करोड़ो रुपये डाले गए।

### उम्मीद नहीं था,लेकिन साय सरकार ने पूरा किया

ग्राम खरबत निवासी किसान कन्हैया लाल राजवाड़े,मारवाड़ी लाल प्रजापति, जामपारा निवासी धनीराम एवं लाल बाबू ने बकाया धान बोनस मिलने पर कहा कि हमें यह बकाया राशि मिलने की उम्मीद नहीं था, लेकिन धन्य हो आज सुशासन दिवस के अवसर पर प्रदेश के विष्णु देव सरकार ने अपने वादे के अनुरूप कर दिया और हमारे खाते में पैसे भी आ गया। सोनहत में भी सुशासन दिवस व धान बोनस वितरण का आयोजन किया गया था, जिसमें बड़ी सँख्या में किसान व ग्रामीण एलईडी के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के उद्बोधन को सुना भी गया।

मुख्य अतिथि व विधायक भइया लाल राजवाड़े ने प्रतीकात्मक रूप से 30 किसानों को धान बोनस राशि वितरण प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कोरिया जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी व प्रभारी कलेक्टर डॉ आशुतोष चतुर्वेदी, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्याम बिहारी जायसवाल, नगर पालिका बैकुंठपुर अध्यक्ष श्रीमती नमिता शिवहरे, जिला पंचायत सदस्य, श्रीमती वन्दना राजवाड़े, जनपद सदस्य सौभाग्यवती सिंह,अपर कलेक्टर नीलम टोप्पो,एसडीएम श्रीमती अंकिता सोम, सरपंच श्रीमती आनन्दी सोनपाकर एवं बड़ी सँख्या में किसान,ग्रामीण उपस्थित थे।

# जिले में जगह-जगह अटल चौक में मनाया गया सुशासन दिवस,सालों बाद अटल चौक दिखे रंग रोगन के साथ सुंदर

» सत्ता जाते ही पांच सालों तक अटल चौक पर छाई रहती थी विरानी,चौक की पुताई भी इस दौरान होते नहीं दिखी थी...

» गाहे बगाहे अटल जी की जयंती पर अटल चौक में जुटते थे भाजपाई,रंग रोगन की फिर भी इस दौरान किसी ने जहमत नहीं उठाई

» सत्ता वापसी के साथ ही याद आए फिर अटल जी,जगह जगह मना सुशासन दिवस

- रवि सिंह -
बैकुंठपुर 25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में पांच साल बाद फिर भाजपा सत्ता में वापसी कर पाई है और सत्ता में वापसी करते ही भाजपा नेताओं कार्यकर्ताओं में फिर से नया जोश उत्पन्न होता नज़र आ रहा है। पांच साल तक भाजपाइयों को जहां स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई की जहां यदा कदा ही याद आई वहीं उनकी जन्म जयंती भी कभी कभार ही इस दौरान भाजपाइयों ने मनाई। इस बार सत्ता वापसी के पहले ही चुनावी घोषणा पत्र में ही 25 दिसंबर का भाजपा ने उल्लेख कर रखा था और इस दिवस सुशासन दिवस के रूप में आयोजन करने का निर्णय लिया था इसी दिन प्रदेश के किसानों को धान के बकाया बोनस की राशि जो भाजपा शासन काल के दौरान नहीं दी गई थी दो वर्ष का उसका भी भुगतान करने की घोषणा की गई थी। प्रदेश में भाजपा सत्ता में वापसी कर पाई और उसने अपने घोषणा पत्र को अमली जामा पहनाना शुरू भी किया। 25 दिसंबर को धान के बकाया दो वर्ष के बोनस की राशि जहां किसानों के खाते में अंतरित की गई वहीं प्रदेश भर के सभी अटल चौकों पर पुष्प माला अर्पित कर स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई को भाजपाइयों ने याद किया। इसी क्रम में कोरिया जिले में भी सभी अटल चौकों पर सुबह से साफ सफाई भाजपाई करते नजर आए और वहीं कई वर्षों बाद अटल चौकों की पुताई हुई ऐसा देखने को मिला। विगत कई वर्षों से जो अटल चौक रंग रोगन के अभाव में खंडहर से होते जा रहे थे वह इस वर्ष सत्ता वापसी के बाद साफ सुथरे और रंग रोगन किए हुए नजर आए। ऐसा नहीं है की पिछ्ले वर्षों में स्वर्गीय अटल जी को भाजपाइयों ने याद नहीं किया लेकिन उनकी याद और स्मृति में बने अटल चौकों को लेकर किसी भाजपाई ने ध्यान नहीं दिया की उसकी साफ सफाई हो या उसका रंग रोगन हो। एक तरह से अटल चौक अपनी पहचान ही खोते चले जा रहे थे जो इस वर्ष भाजपा की सत्ता में वापसी के साथ ही जीवंत नजर आने लगे। इस बार लगभग सभी अटल चौकों पर स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई को याद करने भाजपाई जुटे हुए नजर आए।

बता दें की छत्तीसगढ़ राज्य का गठन स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई की सोच और राज्यों के विकेंद्रीकरण नीति के तहत हुई थी और जब प्रदेश की सत्ता पर भाजपा ने कब्जा जमाया तब से उसने इस मामले को लेकर हमेशा श्रेय लेने का प्रयास किया और इसी उद्देश्य से भाजपा ने सत्ता में रहते हुए प्रदेश के हर ग्राम में एक चौक को अटल चौक के रूप में पहचान देने का प्रयास किया। भाजपा जब 2018 में सत्ता से बेदखल हुई तभी से अटल चौकों की स्थिति खराब नजर आने लगी थी वहीं इसको लेकर न सत्ताधारी दल ने ध्यान दिया था न ही भाजपाइयों ने ही ध्यान दिया था। वैसे इस बार कोरिया जिले के पटना क्षेत्र में भी जगह जगह अटल चौकों पर आयोजन किया गया।इस आयोजन के दौरान जो अच्छी बात नजर आई वह यह नजर आई की जो पांच सालों तक कभी अटल चौकों पर साफ सफाई या रंग रोगन के लिए उपस्थित नहीं होते थे ध्यान नहीं देते थे वह भी फोटो खिंचाने आगे नजर आए।।वैसे सभी अटल चौकों पर ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि या पंचायत स्तर के कर्मचारी भी नजर आए जो पांच सालों तक शायद ही नजर आए रहे हों,वैसे इस पूरे आयोजन में साफ सफाई का जिम्मा साथ ही रंग रोगन का जिम्मा अटल चौकों का ग्राम पंचायतों के हिस्से का जिम्मा था और लगभग सभी जगह पंचायतों ने ही रंग रोगन कराया वहीं उसके बाद यह भी सवाल उठने लगा की पांच सालों तक इन पंचायत प्रतिनिधियों को स्वर्गीय अटल जी की याद क्यों नहीं आई क्या उन्हे शासकीय शासन आदेश उपरांत ही आती है।

### क्या अब पांच सालों तक इसी तरह होंगे आयोजन,या फिर पहले की तरह भूल जायेंगे स्वर्गीय अटल जी को भाजपाई ?

25 दिसंबर को प्रदेश की सत्ता में वापसी होते ही सुशासन दिवस मनाया जायेगा यह भाजपा का संकल्प था,भाजपा ने सत्ता में वापसी की और अपने संकल्प को पूरा करते हुए उसने 25 दिसंबर को सुशासन दिवस मनाया जिसके अंतर्गत हर अटल चौक पर भाजपाई नजर आए। पांच सालों तक जो भाजपाई अटल चौक को भुला ही बैठे थे एकाएक उनको अटल चौक की याद आई और उन्होंने अटल चौक पर जाकर स्वर्गीय अटल जी को याद किया। अब सवाल यह उठता है की क्या उन्हे आगे स्व अटल जी की याद आती रहेगी वह हर वर्ष अटल चौक पर साफ सफाई रंग रोगन कर स्वर्गीय अटल जी को याद करेंगे या इस बार चूंकि शासन का आदेश था इसलिए याद किया उन्होंने आगे वह भूल जायेंगे।

# प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने पांव धोकर 101 परिवारों को कराया हिंदू धर्म में वापसी

## पिता के अधूरे सपने को पूरा करने चला...कारवां अंतिम सांस तक जारी रहेगा घर वापसी अभियान:प्रबल

-संवाददाता-

**कोरबा,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।** कोरबा जिले में पहली बार वृहद स्तर पर हिंदू धर्म से दूसरे धर्म में गए परिवारों की घर वापसी के लिए कटघोरा के संस्कृतिक भवन में रविवार को समाज प्रमुख सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। अखिल भारतीय घर वापसी प्रमुख एवं धर्म सेना छत्तीसगढ़ के प्रदेश संरक्षक प्रबल प्रताप सिंह जूदेव एवं हिंदू वाहिनी के राष्ट्रीय सह सचिव कौशलेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में हुए उक्त कार्यक्रम के दौरान प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने 101 परिवार की माताओं के पांव धोकर विधि विधान से उनकी हिंदू धर्म में घर वापसी कराई। साथ ही प्रबल प्रताप सिंह जूदेव के हाथों कटघोरा समेत जिलेभर के 41 समाज के प्रमुख का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कोरबा जिले में में सक्रिय 17 हिंदूवादी संगठन के पदाधिकारी भी आमंत्रित किए गए थे, उन्हें भी सम्मानित किया गया। कटघोरा नगर में स्थित चकचकवा पहाड़ के हनुमान मंदिर समेत अन्य सभी मंदिरों के पुजारी भी कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किए गए। कार्यक्रम के दौरान कटघोरा के अलावा जिलेभर से हजारों लोग शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर शुरू से आखिरी तक जय श्री राम के उद्घोष गुंजते रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रबल प्रताप सिंह जूदेव व कौशलेंद्र सिंह के अलावा रामाश्रय पांडेय, धर्म सेना के बिलासपुर संभाग अध्यक्ष विष्णू पटेल, कार्यक्रम अध्यक्ष आत्मा नरायण पटेल, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र बहादुर सिंह समेत भाजपा नेता देवेंद्र पांडेय मंचस्थ रहे। कार्यक्रम के आयोजन व संचालन में धर्म सेना के जिला अध्यक्ष सकेत शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी नवीन गोयल, जिला मंत्री सेंटी गर्ग, जिला प्रशासनिक प्रमुख सदानंद राठौर व जिला महामंत्री नरेश राजपूत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

समाज प्रमुख सम्मान समारोह सह घर वापसी अभियान कार्यक्रम के दौरान प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने अपने उद्बोधन में घर वापसी करने वाले परिवारों का स्वागत करते हुए कहा उनके पिता स्व. दिलीप सिंह जूदेव ने घर वापसी अभियान की शुरूआत करके 2 लाख परिवार को वापस हिंदू धर्म से जोड़ा। वे राजा होकर भी सनातन धर्म के लिए जात-पात और ऊंच-नीच का भेद न करते हुए धर्मांतरण कर दूसरे धर्म में शामिल किए गए परिवार के लोगों का पांव धोकर उन्हें हिंदू धर्म में वापस शामिल कराते रहे। उनके जाने के बाद वे अपने पिता के अधूरे सपने को पूरा करने का संकल्प लेकर घर वापसी अभियान चला रहे हैं जो उनके अंतिम सांस तक जारी रहेगा।

# पूर्व प्रधानमंत्री स्व.श्री अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

» **स्वच्छता के लिए जनप्रतिनिधि,अधिकारी-कर्मचारी एवं आम नागरिकों ने निभाई सहभागिता**

» **आगामी एक सप्ताह तक जिले में चलाया जाएगा विशेष स्वच्छता अभियान**

-संवाददाता-

**बलरामपुर,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।** पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसम्बर 2023, सुशासन दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर जिले में विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई। आज से प्रारंभ विशेष स्वच्छता अभियान 31 दिसंबर 2023 तक संचालित की जाएगी। ग्राम पंचायत भनौरा स्थित अटल चौक में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के तैलचित्र के समक्ष पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रेना जमील, नगर पंचायत अध्यक्ष सुंदरमणि मिंज, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष भानुप्रताप दीक्षित सहित अन्य अतिथियों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर सीईओ रेना जमील ने उपस्थित लोगों को सुशासन संकल्प एवं स्वच्छता हेतु शपथ दिलाई। इसके साथ ही लोगों के स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए जिला स्तरीय वृहद स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अटल चौक भनौरा से सर्किट हाउस तक स्वच्छता रैली भी निकाली गई। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने हाथ में झाडू थामकर साफ-सफाई अभियान की शुरूआत की। स्वच्छाग्रही एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं, कर्मचारियों तथा आमजनों ने भी अपनी सहभागिता निभाई। वहीं जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर साफ-सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन में अंगीकृत करने का संकल्प लिया गया। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) करूण डहरिया, तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, निर्वाचित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

# जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर की जा रही है कार्यवाही

-संवाददाता-

**जशपुर,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।** जिले में खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण पर नियमित रूप से कार्यवाही करते हुए माह दिसम्बर 2023 में अवैध उत्खनन के 01 प्रकरण, अवैध परिवहन के 5 प्रकरण दर्ज करते हुए 03 प्रकरण में कुल 31,440 रुपए अर्थदंड व समझौता राशि वसूल की गई है। साथ ही शेष 03 प्रकरण में कार्यवाही किया जा रहा है।

खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-2024 में अवैध उत्खनन के 06 प्रकरण,अवैध परिवहन के 28 प्रकरण एवं अवैध भण्डारण के 01 प्रकरण दर्ज कर कुल 3,51,053 रुपये अर्थदंड व समझौता राशि वसूल की गई है। इसी तरह वित्तीय वर्ष 2022-2023 में अवैध उत्खनन के 22 प्रकरण, अवैध परिवहन के 25 प्रकरण एवं अवैध भंडारण के 05 प्रकरण दर्ज कर कुल 6,52,255 रुपये अर्थदंड व समझौता राशि वसूल की गई है। जिले में अवैध उत्खनन,परिवहन,भण्डारण से संबंधित जांच की जा रही है एवं मामले संज्ञान में आने पर अथवा जांच के दौरान अवैध उत्खनन,परिवहन, भण्डारण होना पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही।

# गृह ग्राम पटना व साल्ही में विधायक भूलन सिंह का हुआ भव्य स्वागत,विधायक ने जताया आभार

-संवाददाता-

**सूरजपुर,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।** प्रेमनगर के नवनिर्वाचित विधायक भूलन सिंह मरावी ने गांव-गांव जाकर मतदाताओं का आभार जताया है।गृह ग्राम पटना में तो वे घर-घर पहुंच कर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और बड़ी जीत दिलाने वाले साल्ही गांव में स्वागत कार्यक्रम के दौरान बूथ के कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर स्वागत के लिए पारंपरिक शैला सुगा नृत्य भी किया गया जहां लोग उमड़ पड़े थे। नवनिर्वाचित विधायक को अपने बीच पाकर लोगों ने खूब रंग गुलाल खेला और आतिशबाजी की गई जिससे होली व दिवाली जैसा माहौल बना रहा।

रविवार को विधायक भूलन सिंह मरावी का गृह ग्राम पटना में स्वागत कार्यक्रम रखा गया था जहां लोग उनका भव्य स्वागत करने के लिए उमड़ पड़े थे। इस दौरान विधायक श्री मरावी ने भी गांव मोहल्ले में जाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और विजयी बनाने के लिए लोगों का आभार जताया। इस दौरान आयोजित स्वागत सभा में उन्होंने कहा कि आप लोगों का चुनाव में अपार स्नेह मिला जिससे मैं विधानसभा का सदस्य बना हूं।क्षेत्र के विकास के लिए अब काम करना है उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि जिस विश्वास के साथ उन्हें सेवा का अवसर दिया गया है उस विश्वास पर शत प्रतिशत खरा उतरने की कोशिश करूंगा।उन्होंने कहा कि प्रदेश में विष्णु देव साय की सरकार बनते ही मोदी की गारंटी पर काम शुरू हो गया है मोदी की हर गारंटी पूरी होगी। किसान युवा महिलाओं सभी के उत्थान के लिए काम होंगे, क्षेत्र के विकास के साथ-साथ प्रदेश का भी विकास तेजी से होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह विधानसभा चुनाव में भाजपा पर आप लोगों ने विश्वास व्यक्त किया है यह विश्वास कायम रखते हुए लोकसभा चुनाव में भी अपार स्नेह देवें और देश में फिर से नरेंद्र मोदी की सरकार बनाकर देश व प्रदेश को विकास की नई ऊंचाई तक पहुंचाएं। स्वागत समारोह में मण्डल अध्यक्ष जय प्रकाश उपाध्याय ,रामाशिरोमणी साहू सुरेन्द्र राजवाड़े, महामंत्री सुमंत साहू,राजेंद्र सिंह, अशोक यादव, सतवीर, किसान मोर्चे के जिलाध्यक्ष रामकरण साहू जिला कार्यालय प्रभारी राजेश्वर तिवारी,दरोगा सिंह,अजय सिंह सुरेश मरकाम, संत साहू अनन्त जयसवाल रितेश जयसवाल महादेव सिंह कवल साय राजालाल बूथ अध्यक्ष रूपेंद्र ठाकुर धर्मेंद्र सिंह जय सिंह, सुलेंदर एक्का दुधराज सहित भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### छिदिंया व साल्ही बूथ के कार्यकर्ता हुए सम्मानित

चुनाव के दौरान भाजपा मंडल रामानुजनगर द्वारा बड़ी जीत दिलाने वाले बूथ को सम्मानित करने की घोषणा किया गया था जिसके तहत प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छिदिंया गांव को 51000 से सम्मानित किया गया।दूसरे स्थान आने वाले साल्ही गांव को 25 हजार का सम्मान भाजपा द्वारा दिया गया।यह सम्मान राशि स्वागत समारोह के दौरान विधायक भूलन सिंह मरावी के हाथों बूथ के कार्यकर्ताओं को दिया गया।

# व्यावसायिक पाठ्यक्रम से प्रेरित होकर छात्रा ने शुरू किया मधुमक्खी पालन का व्यवसाय

-संवाददाता-

**जशपुर,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।** नवीन जिले के दूरस्थ वनांचल ग्राम कोटाडोल में स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटाडोल में संचालित व्यावसायिक विषय कृषि की छात्रा दुर्गावती यादव जो की नेरूआ की निवासी हैं जिन्होंने व्यावसायिक विषय से प्रेरित होकर मधुमक्खी पालन का व्यवसाय प्रारंभ किया दुर्गावती यादव ने बताया कि कक्षा 9वीं से 12वीं तक व्यावसायिक विषय से जुड़ी रही और आगे भी वह व्यवसायिक विषय में पढ़ाई करना चाहती थी परंतु जनकपुर में व्यावसायिक विषय के कॉलेज ना होने के कारण उन्होंने बी.एस.सी. करना प्रारंभ किया घर में तीन बहन दो भाई हैं और घर की आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं जिस कारण से बाहर पढ़ाई करने नहीं जा सकी और घर पर ही व्यवसाय का मन बनाकर मधुमक्खी पालन का कार्य प्रारंभ किया उन्होंने बताया कि यह उन्हें शासन की योजना के तहत प्राप्त हुआ है परंतु यदि मधुमक्खी पालन का व्यवसाय शुरू करना है तो लगभग 2.5 लाख से 3 लाख तक का खर्च आता है और लगभग 3 लाख 3.5 लाख प्रतिवर्ष आमदनी प्राप्त हो सकती है चूंकि कुछ दिन पहले ही उन्होंने इस व्यवसाय को प्रारंभ किया जिस कारण अभी आमदनी प्राप्त नहीं

की है परंतु पूरी उम्मीद और भरोसे के साथ उन्होंने यह बात कही उन्होंने बताया कि उनके विद्यालय के भूतपूर्व प्राचार्य श्री ए.के. पाठक और वर्तमान प्राचार्य श्री जी. आर. किस्पोट्टा जी एवं विद्यालय के शिक्षकों ने उनको बहुत ही प्रेरित किया। उनके व्यावसायिक विषय कृषि के प्रशिक्षक श्री नवीन शंकर पांडे जो की वीटीपी स्किल ट्री के प्रशिक्षक है को अपना प्रेरणा स्रोत और सराहनीय योगदान बताया उन्होंने कहा कि श्री पांडे सर हर समय हमें प्रेरित करते हैं और उनकी कही हुई एक बात की कृषि व्यवसाय आपको नौकर नहीं मालिक बनाता है हमें बहुत प्रेरित करती है मैं अपने कृषि प्रशिक्षक श्री नवीन पांडे सर जी का और माता-पिता का आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने मुझे इतना सहयोग और प्रेरणा प्रदान किया।

# हसदेव अरण्य क्षेत्र में परसा कोल खदान के विरोध में बैठे ग्रामीणों के बीच पहुंचे टीएस सिंह देव

## बल पूर्वक दमन से विद्रोह उपजेगा- टीएस सिंहदेव

-संवाददाता-

**अंबिकापुर,25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।** पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने कहा है कि ग्रामीण जन एक राय होकर खदान के लिए जमीन देने से मना कर देंगे तो दुनिया की कोई ताकत उनकी जमीन नहीं ले सकती। हम ग्रामीणों के निर्णय के साथ हैं। प्रशासन और पुलिस दबाव देकर खदान नहीं खुलवा सकते, बल पूर्वक दमन से विद्रोह उपजेगा।

हसदेव अरण्य क्षेत्र में परसा कोल खदान के विरोध में पिछले पांच सौ दिन से धरने पर बैठे ग्रामीणों के बीच पहुंचे पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा पुरानी खदान जिसकी स्वीकृति पहले हो चुकी है उसका विरोध नहीं है। हरिहरपुर, फतेहपुर सहित अन्य प्रभावित गांव के लोग नई खदान के विरोध में हैं। कांग्रेस पार्टी आदिवासियों और वनवासियों के साथ है। राहुल गांधी की पहल पर केंद्र में यूपीए की सरकार ने भूमि अधिग्रहण पर कानून बनाया है। गांव के कम से कम 70त्न भूमि स्वामी एक राय होकर जो भी निर्णय लेंगे शासन प्रशासन उसे निर्णय को मानने के लिए बाध्य होगा। वनों की कटाई के लिए प्रशासन की सख्ती और हथियारबंद पुलिस वालों द्वारा बल प्रयोग की शिकायत पर उपमुख्यमंत्री ने कहा नियम का पालन सभी को करना होगा। आम जनों के टैक्स से पगार पाने वाले सरकारी कर्मचारी और अधिकारी यह समझ लें कि कानून सबके लिए है यदि वह नियम कायदों की परवाह नहीं करेंगे तो ग्रामीण भी नियम तोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे। किसी बात का समाधान बातचीत से ही हो सकता है। ताकत के बल पर आंदोलन को दबाने का परिणाम विद्रोह के रूप में सामने आएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंसक आंदोलन को उनका समर्थन नहीं मिलेगा लेकिन यदि कोई ग्रामीणों को बल पूर्वक दबाएगा तो पूरी कांग्रेस पार्टी ग्रामीणों के समर्थन में खड़ी होगी। औषधि पादप बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने मुड़गांव में पावर प्लांट हेतु जमीन अधिग्रहण के हिंसक आंदोलन और अमेरा खदान के लिए जमीन नहीं देने के परसोढी के ग्रामीणों उदाहरण देकर बताता एकजुट होने से ही सफलता मिलेगी। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, उदयपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजनाथ सिंह, अमेरा खदान आंदोलन से जुड़े रणविजय सिंह, धर्मेंद्र झरिया ने भी सम्बोधित किया। हसदेव अरण्य आंदोलन से जुड़े लोगों और ग्रामीण जनों ने भी अपनी बात रखी। ग्राम बासेन के सरपंच ने बताया किस तरह पुलिस ने उन्हें हथियार के बल पर घर से उठा लिया था, कपड़े तक पहनने की इजाजत नहीं दी थी। भावुक होते हुए उन्होंने कहा कि मुझे गांव वालों ने जनप्रतिनिधि बनाया है मेरी जिम्मेदारी पहले उनके प्रति है।ग्रामीणों ने जान दे देने लेकिन जमीन न देने का संकल्प दोहराया। उल्लेखनीय है हसदेव में नई खदान खोलने के विरोध में ग्रामीण पिछले पांच सौ दिनों से धरना दे रहे है। चार दिन पहले ही पेंड्रीमार के जंगलों में अडानी की खदान के लिए जंगल को अभेद किले में तब्दील कर करीब तीस हजार विशाल वृक्षो की कटाई की गई है, उसके बाद से ही मामला गरमाया हुआ है। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

### डेढ़ सौ गाड़ियों का काफिला

पूर्व मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव के हसदेव अरण्य के समर्थन में आंदोलनकारी से मिलने जाने की खबर पर कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं के साथ-साथ शहर वासी भी स्वत उमड़ पड़े। सिंह देव की गाड़ी के पीछे-पीछे डेढ़ सौ से ज्यादा गाड़ियों का काफिला धरना स्थल पर पहुंचा। पेड़ कटाई निपट जाने के बाद आराम की मुद्रा में बैठे प्रशासन के लोग भीड़ देख अचंभित थे। आनन-फानन में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस बल तैनात किया गया। धरना स्थल के आसपास 200 से ज्यादा हथियारबंद जवान और पुलिस तथा जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। उग्र ग्रामीणों ने जब उन्हें लक्ष्य कर नारेबाजी शुरू की तक कुछ क्षणों के लिए माहौल गरमा गया। पूर्व उपमुख्यमंत्री सिंह देव ने ग्रामीणों को शांत करते हुए कहा उग्रता से हमारा आंदोलन कमजोर पड़ेगा। शासन और प्रशासन के पास बहुत ताकत है, उनसे हम लड़ सकते हैं लेकिन हमारी हार सुनिश्चित है। उन्होंने ग्रामीणों को एकजुट रहने की नसीहत दी और भरोसा दिलाया जबतक गांव के लोग एकजुट रहेंगे किसी की एक इंच जमीन कोई नहीं ले सकेगा।,प्रिंस जायसवाल ,विकास ठाकुर ,वीरेंद्र ठाकुर, विजेंद्र जायसवाल,अमित गुप्ता,विवेक गुप्ता हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# संकल्प यात्रा से लोगों को मिल रही जानकारी

-संवाददाता-

**कोरबा, 25 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।** विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से आज विकासखंड कोरबा के ग्राम दोंदरो, बेला में विकासखंड कटघोरा के ग्राम छिंदपुर और दर्री में, पोडी उपरोडा ब्लॉक के मड़ई, लमना में, करतला विकासखंड अंतर्गत ग्राम खुटाकुढ़ा में, सुअरलोट में, विकासखंड पाली के ग्राम चैतमा और कांजीपाली (नवागांवखुर्द) में विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर लगाया गया। शिविर में पहुँचे लोगो को केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने एवं इनसे लाभ लेने वाले हितग्राहियों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें योजनाओं की जानकारी दी गई। यहाँ शिविर मोदी की गारंटी प्रचार वाहन के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी किया गया। जिसे बड़ी संख्या में लोगो ने देखा।

इससे पूर्व कार्यक्रम स्थल पर विकसित भारत संकल्प यात्रा के वाहन के पहुचने पर ग्रामीण द्वारा स्वागत किया गया। युवतियों, विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति देकर लोगो का मनोरंजन किया। शिविर में उपस्थित अधिकारियों द्वारा आम नागरिकों को प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड, वन नेशन वन कार्ड, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, आधार अपडेशन, सस्ती व अच्छी जेनेरिक दवाई आदि की जानकारी देने के साथ योजनाओं से वंचित हितग्राहियों से आवेदन लिए गए और उन्हें योजनाओं के विषय में विस्तार से बताया भी। योजनाओं की पात्रता को लेकर यहां उनकी समस्याओं का भी समाधान किया गया। बेहरचुआ में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सुपोषण सहित महिलाओं और बच्चों के शारिरिक विकास के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों,बेटी बचाओ अभियान की जानकारी दी गई।

# दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जीतकर 31 साल का इंतजार खत्म करेगी टीम इंडिया

### आज से टेस्ट सीरीज का आगाज

**ब्राजील,25 दिसम्बर 2023।** वनडे विश्व कप के फाइनल में 36 दिन पहले मिली हार की निराशा को भुलाकर भारतीय टीम अब दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने के अपने 31 साल के इंतजार को खत्म करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज मंगलवार से शुरू होगी। यह 1992 से लेकर अब तक भारत की दक्षिण अफ्रीका में नौवीं टेस्ट सीरीज होगी, लेकिन अभी तक वह इस देश में एक भी सीरीज नहीं जीत पाया।

यही वजह है कि हमेशा की तरह वर्तमान श्रृंखला को भी रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के लिए 'अंतिम किला' कहा जा रहा है। लेकिन सुपरस्पोर्ट पार्क में होने वाले मैच के पहले दो दिन भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। सेंचुरियन के विकेट से तेजी और असमान उछाल मिलती है जिससे की मुकाबला खड़ा होने की संभावना है।

वनडे विश्व कप में रोहित शर्मा के पास कपिल देव और महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी करने का मौका था लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार के कारण वह विश्व विजेता कप्तान नहीं बन पाए। अब उनके पास दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला जीतने वाला पहला भारतीय कप्तान बनने का मौका है और वह इसे हाथ से नहीं जाने देंगे।

**1992 से लेकर अब तक भारत की दक्षिण अफ्रीका में नौवीं टेस्ट सीरीज होगी, लेकिन अभी तक वह इस देश में एक भी सीरीज नहीं जीत पाया**

दक्षिण अफ्रीका में मोहम्मद अज़हरुद्दीन (1992), सचिन तेंदुलकर (1996) और सौरव गांगुली (2001) की कप्तानी में भारत को नाकामी हाथ लगी। राहुल द्रविड़ (2006-07), धोनी (2010-11 और 2013-14) और विराट कोहली (2018-19 और 2021-22) ने टेस्ट मैच जीते लेकिन कोई भी टीम श्रृंखला नहीं जीत पाई। भारत के कुछ स्टार क्रिकेटरों का यहदक्षिण अफ्रीका का अंतिम दौरा हो सकता है और वह निश्चित तौर पर इसको यादगार बनाने के लिए बेताब होंगे। तेंबा बावुमा की अगुवाई वाले दक्षिण अफ्रीका के पास कुछ अच्छे तेज गेंदबाज हैं जो भारत के युवा बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की असली परीक्षा कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन और गेराल्ड कोएत्ज़ी जैसे गेंदबाजों के सामने होगी। इसी तरह से उपमहाद्वीप की पिचों पर खुद को साबित करने वाले शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जैसे बल्लेबाजों को अधिक चुनौती पूर्ण परिस्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। शॉर्ट पिच गेंद अय्यर की कमजोरी मानी जाती रही हैं और उन्हें इससे पार पाने के लिए कुछ खास करना होगा।

मुख्य कोच राहुल द्रविड़ नहीं चाहते हैं कि जायसवाल और गिल अपनी शैली में बदलाव करें लेकिन वह चाहते हैं कि वे परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करें। द्रविड़ ने कहा,''हम खिलाड़ियों को उस तरीके से खेलने के लिएप्रोत्साहित करते हैं, जिसमें वह सहज महसूस करते हैं लेकिन उनको परिस्थितियों को भी दिमाग में रखना होगा। दक्षिण अफ्रीका में खेलते हुए उन्हें कुछ रणनीतिक चीजें अपनानी होंगी।'' भारत का प्रदर्शन हालांकि तीन कारकों पर निर्भर करेगा।

पहला कप्तान रोहित शर्मा हुक और पुल शॉट का कितनी अच्छी तरह से प्रदर्शन करते हैं, दूसरा विराट कोहली कितने समय तक ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंदों को छोड़ने का फैसला करते हैं और तीसरा टीम मोहम्मद शमी की कमी को कैसे पूरा करती है। शमी की जगह मुकेश कुमार या प्रसिद्ध कृष्णा में से किसी एक को चुना जा सकता है। बावुमा, इस श्रृंखला के बाद संन्यास लेने की घोषणा कर चुके डीन एल्गर, स्टाइलिश एडेन मार्कराम, युवा टोनी डी ज़ोरज़ी और कीगन पीटरसन के रूप में दक्षिण अफ्रीका के पास अच्छे बल्लेबाज हैं जो भारतीय गेंदबाजों को परेशान कर सकते हैं। इस मैच में केएल राहुल विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभाएंगे।

सीमित ओवरों की क्रिकेट में इस भूमिका को अच्छी तरह से निभाने वाले राहुल लंबी अवधि के प्रारूप में विकेट के पीछे कैसा प्रदर्शन करेंगे, इस पर भी सभी का ध्यान रहेगा। विदेश में खेला जाने वाला यह एक और टेस्ट मैच होगा जिसमें ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को परिस्थितियों और टीम संयोजन के कारण बाहर बैठना पड़ सकता है। सुपरस्पोर्ट पार्क में अमूमन चार दिन के अंदर परिणाम निकल जाता है लेकिन अगर पहले दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ जाता है और टॉस दूसरे दिन होता है तो फिर पहले बल्लेबाजी करना निश्चित तौर पर मुश्किल काम होगा।

**टीम इस प्रकार हैं:-**

**भारत:** रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, प्रसिद्ध कृष्णा, केएस भरत (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन (दूसरा टेस्ट)।

**दक्षिण अफ्रीका:-** तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्कराम, टोनी डी ज़ोरज़ी, डीन एल्गर, कीगन पीटरसन, काइल वेरिन (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), नांद्रे बर्गर, मार्को यानसन, वियान मुल्डर, गेराल्ड कोएत्ज़ी, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, डेविड बेडिंघम।

## संक्षिप्त खेल समाचार

### फीफा ने दी ब्राजील फुटबॉल परिसंघ को निलंबित करने की धमकी

**बेनेजुएला, 25 दिसम्बर 2023।** विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फ़ीफ़ा ने ब्राजील को चेतावनी दी है कि अगर उसकी फुटबॉल संस्था के हस्तक्षेप के कारण जनवरी में नए अध्यक्ष का चुनाव होता है तो वह उसकी राष्ट्रीय टीमों और क्लबों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से निलंबित कर सकता है।

फीफा ने ब्राज़ील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) को पत्र लिखकर कहा है कि अगर उसने इंतजार करने की उसकी अपील पर ध्यान देने के बजाय एडनाल्डो रोड्रिग्स की जगह नये अध्यक्ष का चयन करने के लिए चुनाव कराने में जल्दबाजी दिखाई तो उसे निलंबन का सामना करना पड़ सकता है।

रियो डी जनेरियो की एक अदालत ने पिछले साल फुटबॉल संस्था के चुनाव में अनियमितताओं के कारण रोड्रिग्स और सीबीएफ में उनके द्वारा नियुक्त सभी लोगों को सात दिसंबर को पद से हटा दिया था। ब्राज़ील की दो सर्वोच्च अदालतों ने पिछले सप्ताह इस फैसले को बरकरार रखा। फीफा अपने सदस्य संघों के कामकाज में सरकार या किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करता है और इसलिए पांच बार के विश्व कप विजेता ब्राजील को समस्या का समाधान होने तक प्रमुख प्रतियोगिताओं से बाहर रहना पड़ सकता है।

### मोहम्मद शमी की जगह आने वाला गेंदबाज भी हमें दबाव में डाल सकता है : बावुमा

**सेंचुरियन,25 दिसम्बर 2023।** दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा भारत के 'टैलेंट पूल' (प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के समूह) का काफी सम्मान करते हैं और उनका मानना है कि चोटिल मोहम्मद शमी की जगह आने वाला तेज गेंदबाज भी टेस्ट मैचों में घरेलू टीम के बल्लेबाजों को दबाव में ला सकता है। शमी टखने की चोट के कारण मंगलवार से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से बाहर हैं। प्रसिद्ध कृष्णा या मुकेश कुमार के अंतिम एकादश में शमी के स्थान पर चुने जाने की उम्मीद है। बावुमा ने रविवार को यहां मीडिया कांफ्रेंस के दौरान पीटीआई के एक सवाल के जवाब में कहा, ''बतौर क्रिकेटर आप सर्वश्रेष्ठ के खिलाफ खेलना चाहते हो और मोहम्मद शमी इस समय सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और हम सभी उनके खिलाफ अच्छा करने के लिए बेताब थे। लेकिन भारत के पास इतनी गहराई है कि जो भी उनकी जगह आयेगा, वह आपको दबाव में ला देगा।

## ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम एकादश में कोई बदलाव नहीं किया

**मेलबर्न,25 दिसम्बर 2023।** मेलबर्न के गृहनगर स्टार स्कॉट बोलैंड अभी भी बाहर हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए अपरिवर्तित अंतिम एकादश घोषित की है। मुकाबले से एक दिन पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपरिवर्तित अंतिम एकादश की पुष्टि की थी और कप्तान पैट कमिंस ने स्वीकार किया था कि बोलैंड दुर्भाग्यशाली था कि वह बाहर हो सका। बोलैंड ने खुद को दुनिया के सामने घोषित किया जब उन्होंने 2021-22 एशेज में इंग्लैंड के खिलाफ एमसीजी में अपने पदार्पण पर 6-7 का स्कोर किया।

लेकिन वह किनारे पर रहेंगे क्योंकि कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेज़लवुड जैसे तेज गेंदबाज मंगलवार को दूसरे टेस्ट में हिस्सा लेने के लिए फिट हैं। हम स्कॉटी के बहुत बड़े प्रशंसक हैं, मुझे नहीं लगता कि यह कोई रहस्य है। यह बहुत दुर्लभ है कि आप एक ही (तेज) गेंदबाजी लाइन-अप के साथ सात टेस्ट मैच खेलें, हमेशा कुछ न कुछ खामियां या चीजें होती हैं पॉप अप, कमिंस ने क्रिकेट.कॉम.एयू के हवाले से कहा।अगर कुछ भी होता है तो वह जाने के लिए तैयार है, इसलिए मुझे यकीन है कि वह किसी बिंदु पर भूमिका निभाएगा। (बोलैंड को) संदेश हमेशा यही होता है कि 'आप जो ला रहे हैं वह हमें पसंद है, दुर्भाग्य से, आप इसे देखने से चूक गए लेकिन' मत बदलोज्और तैयार रहो÷, कमिंस ने कहा।

पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट के लिए 12 खिलाड़ियों की टीम घोषित की, लेकिन अंतिम संयोजन को अपने पास रखा। टीम में सबसे उल्लेखनीय बदलावों में से एक यह है कि सरफराज अहमद को पेठ टेस्ट में बुरे सपने से गुजरने के बाद टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया। उन्होंने मिचेल स्टार्क के साथ दोनों पारियों में सिर्फ 7 रन बनाए, जिससे उन्हें हर तरह की परेशानी हुई। उनकी जगह मोहम्मद रिजवान को शामिल किया गया है और इसके साथ ही कुछ अन्य बदलाव भी हुए हैं, तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं, जबकि ऑलराउंडर फहीम अशरफ भी बल्ले से खराब टेस्ट के बाद सीरीज से बाहर हो जाएंगे।

## बीसीसीआई के आगे मजबूर हुआ पाकिस्तान!

### भारत यूएई में खेल सकता है चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के मैच

**यूएई,25 दिसम्बर 2023।** चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान के हाथ में होगी। उसके लिए उसने अधिकार हासिल कर लिए हैं। हालांकि, बीसीसीआई के आगे पीसीबी को झुकना पड़ा । खबर है कि चैंपियंस ट्रॉफी में भारत अपने मैच पाकिस्तान में नहीं बल्कि यूएई में खेलेगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा दुबई में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद मुख्यालय में एक समारोह के दौरान प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए मेजबानी के अधिकार हासिल किए थे। इस अहम कार्यक्रम में पीसीबी प्रमुख जका अशरफ और आईसीसी जनरल काउंसिल जोनाथन हॉल मौजूद थे।

पीसीबी द्वारा मेजबानी अधिकारी हासिल करने के बाद भी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने में भारतीय क्रिकेट बोर्ड की भागीदारी को लेकर संशय बना हुआ है। ये इसलिए क्योंकि एशिया कप 2023 हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था, जबकि इसका मेजबान भी पाकिस्तान ही था। भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। इसके तहत फाइनल मैच भी मेजबान पाकिस्तान को नहीं मिला था। पीसीबी चीफ जका अशरफ और एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद उल जरूनी के बीच हाल में हुई चर्चा ने इसके संकेत दिए हैं। अगर भारत भागीदारी का विकल्प नहीं चुनता है तो कुछ चैंपियंस ट्रॉफी मैचों को संयुक्त अरब अमीरात में स्थानंतरित किया जा सकता है। हालांकि, उनकी बैठक के दौरान विशिष्ट एजेंडे में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को संबोधित नहीं किया गया था। लेकिन पाकिस्तान के साथ यूएई का लगातार सहयोग इसकी संभावना को बढ़ा देता है।

## सूर्यकुमार यादव अफगानिस्तान टी20 सीरीज से हुए बाहर

**नई दिल्ली ,25 दिसंबर2023।** दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान लगी टखने की चोट के कारण सूर्यकुमार यादव अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। भाग्य का मोड़ संभावित रूप से उन्हें छह सप्ताह तक कार्रवाई से बाहर रख सकता है, जिससे उनकी तत्काल भागीदारी पर ग्रहण लग सकता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में उनके पुनर्वास का विवरण देते हुए सूर्यकुमार की अनुपस्थिति की पुष्टि की। बीसीसीआई के सूत्रों ने खुलासा किया कि 31 वर्षीय खिलाड़ी की वापसी का परीक्षण फरवरी में मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी में खेलने के साथ किया जाएगा, जो आसन्न इंडियन प्रीमियर लीग

(आईपीएल) से पहले फिटनेस जांच के रूप में काम करेगा। बीसीसीआई से जुड़े एक सूत्र ने बताया, सूर्या ने पुनर्वास कार्य के लिए एनसीए को रिपोर्ट किया है और मेडिकल साइंस टीम ने फिलहाल उसे घायल बताया है। वह तीन सप्ताह बाद शुरू होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ मैचों में नहीं खेल पाएंगे. चूंकि उनके टेस्ट के लिए चुने जाने की संभावना नहीं है, इसलिए वह आईपीएल में खेलने से पहले अपनी फिटनेस की जांच करने के लिए संभवतः फरवरी में रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलेंगे।

सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के अनुपलब्ध होने से चयनकर्ताओं को कप्तानी की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।जब तक चयनकर्ताओं ने अस्थायी कप्तान के रूप में रवींद्र जडेजा को चुनने का फैसला नहीं किया, तब तक रोहित शर्मा के संभावित रूप से टीम का नेतृत्व करने की अटकलें सामने आई। हालाँकि, इंग्लैंड के खिलाफ सभी पाँच टेस्ट मैचों के लिए अपनी प्रतिबद्धता के कारण जडेजा के कार्यभार की चिंताएँ बड़ी थीं।

## रिकवरी मोड में हार्दिक,टखने में कोई बदलाव नहीं

### आईपीएल के लिए उपलब्धता की बात 'दूर की कौड़ी'

**नई दिल्ली ,25 दिसंबर2023।** हाल ही में हार्दिक पांड्या की आईपीएल 2024 के लिए उपलब्धता को लेकर काफी चर्चा हो रही है, कई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि वह टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। लेकिन अगर सूत्रों की मानें तो पांड्या घूम रहे हैं और रिकवरी रूट पर हैं, जबकि उन्होंने कहा कि फिलहाल आईपीएल की उपलब्धता की बात थोड़ी दूर की कौड़ी है। 19 अक्टूबर को पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप मैच में भारत के लीग मैच के दौरान बाएं टखने में चोट लगने के बाद से पांड्या प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो गए हैं।

अभी हाल ही में, उन्हें गुजरात टाइटन्स से मुंबई इंडियंस में शामिल कर लिया गया और वह आईपीएल 2024 से पहले शीर्ष पद पर पांच बार के चैंपियनशिप विजेता कप्तान रोहित शर्मा की जगह लेते हुए टीम के कप्तान बन गए। विकास पर नज़र रखने वाले एक सूत्र ने बताया, हार्दिक इधर-उधर घूम रहे हैं, और वर्तमान में रिकवरी चरण में हैं मैच-फिट रहें, उनका जिम-वर्क जारी है और बाएं टखने में कोई बदलाव नहीं है। इस महीने के लिए इंस्टाग्राम पर पांड्या की पोस्ट में उन्हें स्वतंत्र रूप से और बिना टखने को बांधे घूमते हुए दिखाया गया है, सूत्र ने यह भी बताया कि मैच फिटनेस हासिल करने की राह जारी है। उनकी आईपीएल उपलब्धता की बात फिलहाल दूर की कौड़ी है क्योंकि टूर्नामेंट ढाई महीने से अधिक दूर है।

सूत्र ने कहा, इसके अलावा, कई लोग एनसीए की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, जो उनकी प्रगति के बारे में बताएगी, और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि न केवल आईपीएल 2024 के लिए उनकी उपलब्धता के बारे में, बल्कि अगले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले भारत के टी20 के लिए भी। एनसीए की रिपोर्ट और संबंधित मंजूरी हार्दिक की भविष्य की उपलब्धता का निर्धारण करेगी।

## फिल्म उड़ान जिंदगी की में नजर आएंगे पहलवान संग्राम सिंह

बिग बॉस 7 और नच बलिए 7 से पहचाने जाने वाले भारतीय पहलवान संग्राम सिंह जल्द ही अपकमिंग फिल्म उड़ान जिंदगी की में नजर आएंगे।

फिल्म के पोस्टर में उनके दो रूप दिखाए गए हैं, एक में वह खिलाड़ी के रूप में नजर आ रहे हैं, जो कैमरे की ओर पीठ करके गौरव के साथ खड़े हैं, वहीं दूसरे में वह भारतीय कपड़ों में जमीन पर बैठे हुए दिखाई दिए। फिल्म के बारे में बात करते हुए संग्राम ने कहा, फिल्म एक ऐसे लड़के की कहानी बताती है जो एक साधारण परिवार से आता है और खेल में अपना करियर बनाना चाहता है। उनके परिवार में हर कोई उनसे खेल के अपने सपने को पूरा न करने और नौकरी करने को कहता है। वह हार नहीं मानता और अपने सपने को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास करता है। उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म एक पिता-बेटे के बंधन के बारे में है और कैसे किसान पृष्ठभूमि से आने वाला बेटा सेना में जाता है। एक समय ऐसा आता है जब उसके पिता आश्वस्त हो जाते हैं, लेकिन जब बेटे को अपने क्षेत्र में सफलता मिलने लगती है तो अंततः उसके पिता का निधन हो जाता है। यह एक बहुत ही प्रेरणादायक कहानी है और पारिवारिक दर्शकों के लिए बनाई गई है।

## ऐश्वर्या खरे ने शो में बच्चे जैसा किरदार निभाने श्रीदेवी और प्रियंका चोपड़ा से ली प्रेरणा

शो भाग्य लक्ष्मी में किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने शो के सीक्केंस के लिए एक बच्चे की तरह व्यवहार करना शुरू कर दिया है। अभिनेत्री ने बताया कि ट्रैक में प्रामाणिकता कैसे लाई जाए, इसको लेकर वह सदमा और बर्फी जैसी फिल्मों से सीख रही हैं।

हाल ही में दर्शकों ने लक्ष्मी (ऐश्वर्या) और ऋषि (रोहित सुचांती) को एक बड़ी दुर्घटना का शिकार होते देखा, जिसके बाद सभी ने लक्ष्मी के व्यवहार में बदलाव देखा।

वह सात साल के बच्चे की तरह व्यवहार करने लगी है, जिससे सभी सदमे में हैं। इस कठिन समय में ऋषि ने लक्ष्मी का हर कदम पर ख्याल रखते हुए उनका भरपूर समर्थन किया है।

शो ने हर किसी को बांधे रखा है। इस बच्चे जैसे किरदार को निभाने के लिए ऐश्वर्या भी अतिरिक्त प्रयास कर रही हैं।इस बारे में बात करते हुए ऐश्वर्या ने कहा, जब मुझे मेरे किरदार में इस बड़े बदलाव के बारे में बताया गया, तो मुझे तुरंत श्रीदेवी मैम की फिल्म सदमा की याद आ गई, खासकर हमारी रचनात्मक टीम ने भी यही संदर्भ दिया था। मैंने नई प्रेरणा के लिए वह फिल्म दोबारा देखी।

उन्होंने साझा किया, हालांकि, मैं कुछ नया करने के लिए काफी उत्साहित थी, लेकिन टीवी शो के लिए हर दिन ऐसा करना काफी चुनौतीपूर्ण है। मैंने इस किरदार के लिए अच्छी तैयारी करने का फैसला किया और यहां तक कि बर्फी भी देखी, जिसमें प्रियंका चोपड़ा के किरदार झिलमिल की शारीरिक भाषा भी एक बच्चे की तरह है।

ऐश्वर्या ने आगे कहा, यहां तक कि मेरे निर्देशक भी बहुत मददगार रहे हैं। वह हर दृश्य में मेरा मार्गदर्शन करते हैं और एक बच्चे की तरह अभिनय करने और उसके साथ आगे बढ़ने के बीच की रेखा खींचने में मेरी मदद करते हैं।

अभिनेत्री ने कहा, यह ट्रैक हमारे शो के लिए ताजी हवा के झोंके की तरह है और मैं वास्तव में टेलीविजन पर कुछ अलग करने का अवसर पाकर भाग्यशाली हूं जो हाल के दिनों में किसी ने नहीं किया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी हमें खूब प्यार देंगे। यह शो जी टीवी पर प्रसारित होता है।

## रोशन कनकला की बबलगम मूवी का ट्रेलर जारी

रोशन कनकला की बहुप्रतीक्षित पहली फिल्म, जिसका शीर्षक बबलगम है, ने अपने आधिकारिक ट्रेलर का अनावरण किया है, जिसने सिनेमा प्रेमियों के बीच चर्चा और उत्साह पैदा कर दिया है। 2023 में तेलुगु फिल्म परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण योगदान के लिए तैयार, बबलगम में रोशन कनकला और मानसा चौधरी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। रविकांत पेरेपु के रचनात्मक निर्देशन में, जिन्होंने सम्मोहक कहानी कहने के लिए प्रतिष्ठा बनाई है, फिल्म एक अद्वितीय और आकर्षक सिनेमाई अनुभव का वादा करती है।

प्रतिभाशाली श्रीचरण पकाला द्वारा प्रदान की गई प्रभावशाली संगीतमय पृष्ठभूमि के साथ,फिल्म का साउंडट्रैक कहानी को बढ़ाने और भावनाओं को जगाने के लिए तैयार है। मनोरम दृश्यों, मनोरंजक कहानी और भावपूर्ण संगीत के मिश्रण से दर्शकों के लिए एक अमर सिनेमाई यात्रा तैयार होने की उम्मीद है।

माहेश्वरी मूवीज़ और पीपल मीडिया फ़ैक्टरी द्वारा निर्मित, बबलगम गुणवत्तापूर्ण मनोरंजन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध एक समर्पित टीम के सहयोगात्मक प्रयासों को प्रदर्शित करता है। ट्रेलर फिल्म की कहानी की एक झलक पेश करता है, जो दर्शकों को एक ताजा और अभिनव कहानी की उम्मीद करने के लिए आमंत्रित करता है।

जैसे ही इसकी रिलीज की उलटी गिनती शुरू होती है, बबलगम का लक्ष्य अपनी सम्मोहक कहानी, शानदार कलाकारों के प्रदर्शन और एक विशिष्ट सिनेमाई अनुभव के वादे के साथ फिल्म प्रेमियों के दिलों पर कब्जा करना है। उस सिनेमाई यात्रा के लिए बने रहें जो बबलगम बड़े पर्दे पर प्रदर्शित होने के लिए तैयार है।

# धान बोनस की राशि सीएम ने किसानों के खाते में किया ट्रांसफर

» पारदर्शिता के साथ 1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती करेंगेः मुख्यमंत्री साय

» गरीब भूमिहीन मजदूरों को देंगे 10 हजार रुपए सालाना

**रायपुर,25 दिसम्बर 2023(ए)।** सीएम विष्णुदेव के हाथों आज किसानों के खाते में बोनस का पैसा ट्रांसफर हो गया है। इस अवसर पर सीएम विषणुदेव साय ने कहा कि गरीब भूमिहीन मजदूरों को 10 हजार रुपए सालाना भी देंगे। पारदर्शिता के साथ 1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती करेंगे। हमारा वादा है हम 5500 मानक बोरा के हिसाब से 15 दिन तक तेंदूपत्ता खरीदेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज बेन्द्री गांव की पावन भूमि में 2 साल के धान बोनस वितरण समारोह में आए आप सभी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं। आज का ये दिन बड़ा ऐतिहासिक दिन है। 25 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के निर्माता भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस सुशासन दिवस की आप सभी को बधाई।

छत्तीसगढ़ के किसानों से हमने वादा किया था कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही 2 साल का बकाया बोनस हम किसानों को देंगे। मुझे बहुत खुशी हो रही है यह बताने में कि आज हमने छत्तीसगढ़ के 12 लाख से ज्यादा किसानों को 37 सौ 16 करोड़ रुपए हमने ट्रांसफर कर दिया है। जिस भी बैंक में किसानों का खाता है, उन सभी को पैसा पहुंच गया है।मैने किसानों से बात भी की है मैं सबको बधाई देता हूं। किसान आज काफी खुश हैं। राज्य के किसानों का विश्वास छत्तीसगढ़ की सरकार और मोदी जी पर बढ़ा है। हमने सरकार बनते ही गरीबों को 18 लाख आवास देने का निर्णय लिया। कई लोगों ने घर के लिए कर्ज लिया, कई अपना घर बना ही नहीं पाए उनके लिए आवास स्वीकृत किया गया। मोदी जी की गारंटी हम पूरी तरह से निभाएंगे।

विवाहित महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना के अंतर्गत हर माह ₹1000 देने का प्रावधान भी हमने अनुपूरक बजट में कर दिया है। अब माताओं बहनों के खाते में साल में ₹12000 जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सरकार हर वर्ग का ध्यान रखने वाली सरकार है।हम हर वादा पूरा करेंगे। हम गरीब भूमिहीन मजदूरों को 10 हजार रुपए सालाना देंगे। युवाओं के साथ धोखा न हो इसलिए उन्हें पारदर्शिता के साथ 1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती की व्यवस्था करेंगे। स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार भी हमारी प्राथमिकता है। अब आयुष्मान कार्ड में 10 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज का लाभ मिलेगा।

## जंगलों की कटाई पर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा-यह अनुमति कांग्रेस की सरकार ने दी थी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बिलासपुर दौरे पर रवाना हुए. रवानगी से पहले उन्होंने पत्रकारों से चर्चा की. इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के हसदेव बचाओ आंदोलन पर बड़ा बयान दिया है. मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वन कटाई की अनुमति जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी तब का है. वहां जो भी हुआ है कांग्रेस की सरकार में उनकी अनुमति से हुआ है.

मुख्यमंत्री ने दो साल का बकाया बोनस राशि जारी करने पर कहा बीजेपी के संस्थापक और छत्तीसगढ़ के निर्माता अटल बिहारी वाजपेयी का आज जन्मदिन है. मोदी की गारंटी में छत्तीसगढ़ के अन्नदाता किसानों से वादा किया था. 15 साल की सरकार में दो साल का बोनस नहीं दे पाए थे. आज लगभग 12 लाख किसानों को एक मुश्त बोनस उनके अकाउंट में ट्रांफर कर रहे हैं, यह बड़े हर्ष की बात है. सरगुजा जिले में स्थित जैव विविधता संपन्न हसदेव अरण्य क्षेत्र में परसा पूर्व कांते बासन (पीईकेबी) कोयला खदान परियोजना के दूसरे चरण के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच पेड़ों की कटाई शुरू हो गई है. जंगल बचाने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण बड़ी संख्या में प्रदर्शन कर रहे हैं. वहीं सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि हसदेव क्षेत्र में कोयला खनन का विरोध कर रहे लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है.

## मृत किसानों के उत्तराधिकारियों को भी मिलेगा बोनस का लाभ

किसान नेताओं ने मांग की है कि 8-10 प्रतिशत किसानों की मौत हो गई है। साथ ही उनके खाते बदले गए हैं। उनके परिजनों को भी वर्ष 2014-15-2015-16 का बोनस का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जबकि सरकार दो साल बोनस वितरण कर रही है, नेताओं् ने मृतक किसानों के उत्तराधिकारियों को लाभ देने के मांग की है।इस मांग पर कृषि विभाग के सचिव कमलप्रीत ने कहा, मृत या प्रभावित किसानों के वारिसों को संबंधित सोसाइटी में आवेदन करना होगा। आवेदन के तीन सप्ताह के भीतर ही मामले का निराकरण किया जाएगा। आवेदन को ऑनलाइन तहसीलदार को भेजा जाएगा। तहसीलदार की रिपोर्ट के आधार पर बोनस का भुगतान किया जाएगा।छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार ने आज दो साल का बकाया धान का बोनस किसानों के खाते में भुगतान किया। वहीं मृतक किसानों का बोनस अटका हुआ है। मृतक किसानों के परिजनों, उत्तराधिकारियों को बोनस नहीं दी जा रही। इसके चलते मृतक किसानों के परिजनों ने बोनस उत्तराधिकारियों को देने की मांग की है।

## 2 वादे पूरे करने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने मुख्यमंत्री साय को दी बधाई...

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने छत्तीसगढ़ की जनता को राज्य निर्माता भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती व सुशासन दिवस की बधाई दी है। इस मौके पर देव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया कि उन्होंनें मोदी की गारंटी पूरी करनी प्रारंभ की है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने प्रदेश के किसानों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री साय वादा पूरा करते हुए 18 लाख किसानों के खाते में 3716 करोड़ से ऊपर की राशि भेज रहे हैं। यह किसानों के परिवार व छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की उन्नति में भी सहायक होंगे। देव ने सभी भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती और सुशासन दिवस पर भाजपा की केंद्र व नवगठित प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने में अपनी महती भूमिका का निर्वहन करें।

## संक्षिप्त खबरें

### पुरखों की वीरता और बलिदान से प्रेरणा लें युवा : मुख्यमंत्री साय

**रायपुर,25 दिसम्बर 2023(ए)।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वीर बाल दिवस पर सिक्ख समुदाय के दसवें गुरू श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी के अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया है। मुख्यमंत्री ने गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्रों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्रों ने अपनी वीरता और शौर्य से देश को गौरवान्वित किया है। युवाओं को उनके बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए।

### छत्तीसगढ़ में भी कोरोना का नया वैरिएंट का खौफ

**रायपुर,25 दिसम्बर 2023(ए)।** देश में कोरोना के नए वेरियंट जेएन-1 का लेकर अलर्ट जारी हो चुका है। छत्तीसगढ़ में भी इसने दस्तक दे दी है। 25 दिसंबर को 837 लोगों की कोरोना टेस्ट हुई है. यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग ने दी। बता दें की प्रदेश में फ़िलहाल 8 कोरोना मरीज मिले है। संक्रमित मरीजों में रायपुर, दुर्ग, कांकेर और बिलासपुर के निवासी है। सबसे अधिक 128 मामले केरल से सामने आए। महाराष्ट्र से 50 मामले सामने आए, जिनमें नौ केस जेएन.1 वैरिएंट के हैं।

### सड़क से 2 आईईडी बम बरामद,बीडीएस ने किया डिफ्यूज

**बीजापुर,25 दिसम्बर 2023(ए)।** आज दिन नक्सलियों द्वारा आगजनी और आईईडी लगाने जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसी बीच फिर एक बार नक्सलियों द्वारा चेरपाल के रोड पर लगाए गए 2 आईईडी जब्त किए हैं। बताया जा रहा है कि 5 किलो के 2 आईईडी बरामद की गई है। वहीं, जानकारी मिली है कि डी माइनिंग के दौरान आईईडी बरामद की गई, जिसे बीडीएस बीजापुर की टीम ने डिफ्युज किया।

## नई सरकार बनने पर सीजी पीएससी अभ्यर्थियों की बढ़ी उम्मीद

### परीक्षा नियंत्रक को हटाने की मांग की

**रायपुर,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद सीजी पीएससी अभ्यर्थियों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। बता दें छत्तीसगढ़ में सीजी पीएससी घोटाले को लेकर अभ्यर्थियों ने कई दफ़ा आवाज उठाया है। लेकिन अब तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है। लेकिन नै सरकार आने से अभ्यर्थियों को उम्मीद है कि इस परीक्षा में हो रहे गड़बड़ी पर अब बड़ा एक्शन लिया जा सकता है।

सीजी पीएसी के इस घोटाले को लेकर सीजी पीएससी अभ्यर्थियों ने ष्टरूविष्णुदेव साय से मिलकर सीजी पीएससी के परीक्षा नियंत्रक को हटाने की मांग की है। बताया जा रहा है कि परीक्षा नियंत्रक समेत अन्य अधिकारी सालों से पीएससी में जमे हुए हैं। अभ्यर्थियों ने परीक्षा नियंत्रक और सचिव पर गड़बड़ी का आरोप भी लगाया है।

बता दें कि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजी पीएससी) ने चयन सूची जारी की। इस सूची में पीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष के साथ अन्य अफसरों और नेताओं के रिश्ते तेदारों का नाम था। इससे प्रदेश के युवाओं में आक्रोश बढ़ गया। तत्ते कालीन सरकार युवाओं के इस गुस्से को भांप नहीं पाई और चुनाव आते-आते मामला बेहद गरम हो गया। भाजपा ने इस मुद्दे को लपक लिया।

## माफियाओं के ठिकानों पर खनिज विभाग का धावा

» माफियाओं में मचा हड़कम्प

» टीम ने खनिज के समेत हाइवा,जेसीबी, ट्रेलर बरामद

**बिलासपुर,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** खनिज विभाग टीम की लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। अलग अलग ठिकानों पर धावा बोलकर टीम ने खनिज उत्खनन के साथ परिवहन करते हाइवा ट्रेलर और जेसीबी जब्त किया है। आरोपियों पर लाखों रूपयों की पेनाल्टी भई दर्ज किया है। सभइ वाहनों को चकरभाठा और सीपत पुलिस के हवाले कर दिया है।

पिछले कुछ दिनों से खुला हाथ पाकर खनिज विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई लगातार जारी है। खनिज टीम ने गुप्त शिकायत पर चकरभाठा, भआड़ी और टेमर समेत अलग अलग स्थानों पर धावा बोला। मौके से मुरूम और रेत उत्खनन करते वाहनों को धर दबोचा। वाहन चालकों की जानकारी मिलने के बाद खनिज टीम ने भारी भरकम जुर्माना भी दर्ज किया है।

खनिज अधिकारी डॉ. दिनेश मिश्रा ने बताया कि खनिज अधिकारी अनिल साहू की अगुवाई में निरीक्षक गुलाटी की टीम ने शिकायत के बाद टेमर,चकरभाठा और भाड़ी समेत अलग अलग ठिकानों में छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया। औचक निरीक्षण के दौरान पिछले दो दिनों में टीम ने अवैध उत्खनन और परिवहन करते चार बड़े वाहनों को बरामद किया।

टीम ने एक जेसीबी, दो हाइवा के अलावा एक ट्रेलर जब्त किया है। सभइ वाहनों को गिट्टी,मिट्टी, रूम का अवैध उत्खनन और परिवहन करते पकड़ा गया। सभी वाहनों को थाना चकरभाठा और सीपत की अभिरक्षा में सुरक्षित रखा गया है। सभी अवैध उत्खनन और परिवहन करने वालों को तलब किया गया है। सभी पर खनिज नियमों के तहत लाखों रूपयों की पेनाल्टी लगाया गया है।

## दो नक्सली स्मारक किए गए ध्वस्त

**बीजापुर,25 दिसम्बर 2023(ए)।** बीजापुर में जवानों ने नक्सली स्मारक को जेसीबी से ध्वस्त किया है। यहां नए कैम्प डुमरीपालनार से डीआरजी बीजापुर, महिला कमांडो और दंतेवाड़ा डीआरजी की टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। यहां सर्चिंग के दौरान जवानों को हीरोली गांव में 20-20 फीट उंचे दो नक्सली स्मारक मिले थे, जिसे संयुक्त टीम ने मिलकर स्मारकों को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया है। फिलहाल क्षेत्र में सुरक्षाबल के जवान सर्चिंग ऑपरेशन चला रहे हैं।बीजापुर में गंगालूर थाना क्षेत्र के डुमरीपालनार कैम्प से संयुक्त टीम ने नक्सली स्मारक ध्वस्त किया था। डुमरीपालनार के जंगल में करीब 30 फीट ऊंचा नक्सली स्मारक माओवादियों ने बनाया था, जिसे जवानों ने ध्वस्त कर दिया है। वहीं दंतेवाड़ा-सुकमा क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके में तुमकपाल और डब्बा कुन्ना गांव के बीच जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 3 नक्सली मारे गए। मारे गए तीनों नक्सलियों के शव को पुलिस ने बरामद कर लिया है। घटना स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया।

## साहसी बच्चों का आज पहुना में सम्मान करेंगे मुख्यमंत्री साय

**रायपुर,25 दिसम्बर 2023(ए)।** छत्तीसगढ़ में 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस जोर शोर से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वीर बाल दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री साय के राजधानी स्थित निवास पहुंना में साहसी बच्चों का सम्मान किया जाएगा। प्रदेश के सभी पंजीकृत बाल देखरेख संस्थाओं में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का प्रसारण किया जाएगा। इस अवसर पर केन्द्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा बनाई गई ऑडियो-विजुअल की स्क्रीनिंग के साथ ही वीर बाल दिवस पर आधारित डिजिटल प्रदर्शनी का आयोजन होगा। इस अवसर पर वीर बाल प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

गौरतलब है कि गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों के सर्वोच्च बलिदान और साहस की स्मृति में पूरे देश के साथ ही छत्तीसगढ़ में भी 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। प्रदेश में वीर बाल दिवस के अवसर पर जिला स्तर, नगर पालिका, वार्ड, ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इन गतिविधियों का उद्देश्य युवाओं और किशोरों, देश वासियों, महिलाओं में राष्ट्रनिर्माण के लिए योगदान एवं मूल्यों को स्थापित करना और सुदृढ़ बनाना है। इसके लिए विशेषकर स्वतंत्रता सेनानियों एवं प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से पुरस्कृत पूर्व विजेताओं के अनुभवों को साझा किया जा रहा है।

वीर बाल दिवस के पूर्व 22 एवं 23 दिसंबर को माई भारत पोर्टल पर किशोर लड़कियों और लड़कों का पंजीकरण और गतिविधियों को पोर्टल में अपलोड किया है। इस दौरान विकसित भारत हेतु शपथ लेने एवं वीर बाल प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, प्रतियोगिता में बहादुरी के विषय पर चित्रकला, पठन (सस्वर पाठ), गायन, कविता और निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।इन प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को वीर बाल दिवस पर पुरस्कृत किया जाएगा। वीर बाल दिवस के आयोजन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, पंचायत, उच्च शिक्षा और नगरीय प्रशासन विभाग को नोडल एजेंसी बनाया गया है। गतिविधियों में एनवायके, एनएसएस, एनसीसी के वालेंटियर्स भी मोबिलाईजेशन में सहयोग कर रहे है।

## सुकमा-दंतेवाड़ा मुठभेड़ में नक्सलियों का एलओएस कमांडर भी मारा गया

**सुकमा,25 दिसम्बर 2023 (ए)।** सुकमा और दंतेवाड़ा जिले के शरहदी इलाके के डब्बा कुन्ना में चली मुठभेड़ में 3 हार्डकोर माओवादियों के मारे जाने की पुलिस ने पुष्टि की है। पुलिस ने 2 इनामी नक्लसियों समेत 3 को मार गिराया है. दो नक्सलियों पर 5-5 लाख का इनाम रखा गया था। मुठभेड़ में एलओएस कमांडर कुहरामी लक्ष्मण और सोढ़ी जगदीश मारे गए हैं। सोमा माड़वी कांगरवेली कमेटी का सदस्य 5 लाख का इनामी माओवादी भी मारा गया. लक्ष्मण कोहरामी की भी पुष्टि हुई है। समर्पित माओवादी ने मारे गए नक्सलियों की पहचान की है। इन दोनों पर ही 5-5 लाख रुपए का इनाम घोषित था। मारे गए तीन माओवादियों में से एक की पहचान अभी नहीं हुई है। पुलिस इस माओवादी की भी पहचान करने का प्रयास कर रही है।

## अटल मॉनिटरिंग पोर्टल से सीधे होगी योजनाओं की मॉनिटरिंग

» सरकार का बड़ा निर्णय

» मुख्यमंत्री सचिवालय अटल मॉनिटरिंग पोर्टल से करेगा सतत् निगरानी

**रायपुर,25 दिसम्बर 2023(ए)।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सुशासन दिवस के अवसर पर मंत्रालय महानदी में आयोजित कार्यक्रम में अटल मॉनिटरिंग पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के माध्यम से मुख्यमंत्री सचिवालय सीधे योजनाओं के क्रियान्वयन पर नजर रखा जायेगा। शासन की मंशानुरूप पारदर्शी और बेहतर तरीके से क्रियान्वयन नहीं हुआ तो सख्ती भी बरती जाएगी। वर्तमान में 23 विभागों की 35 महत्वपूर्ण योजनाओं की मॉनिटरिंग इस पोर्टल के माध्यम से की जाएगी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि अटल मॉनिटरिंग पोर्टल से हमको योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की रियल टाइम स्थिति मिलेगी। सुशासन दिवस के अवसर पर यह पोर्टल लांच किया गया है। सुशासन तभी आता है जब लगातार मॉनिटरिंग होती है। जमीनी स्थिति पर सीधे नजर होती है। हमारे पास इस पोर्टल के माध्यम से अद्यतन जानकारी होंगी जिससे हम योजनाओं की नियमित समीक्षा कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पोर्टल के माध्यम से हम यह देखेंगे कि विभाग योजनाओं के लिए दी गई समयावधि में कार्य पूरा कर रहे हैं या नहीं। जिलों को दिया गया टारगेट पूरा हो रहा है या नहीं। इसमें किये गये किसी तरह के विलंब अथवा अनुचित तरीके से किये गये कार्य की समीक्षा होगी और इसे दुरूस्त किया जाएगा। जहां पर क्रियान्वयन में किसी तरह की दिक्कत होगी, उसे समीक्षा कर ठीक किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें अलर्ट मोड भी रखा गया है। अलर्ट मोड यह बताएगा कि किसी योजना के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में ठीक से कार्य नहीं किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की जनता की खून-पसीने की कमाई से राजस्व जुटाया जाता है और जनता के कल्याण के लिए ही खर्च किया जाता है लेकिन समीक्षा ही न हो तो इस पर प्रगति कैसे हो सकती है। हम न केवल समीक्षा करेंगे अपितु मानिटरिंग पोर्टल के माध्यम से हमने इसमें तकनीक को भी जोड़ दिया है। यह पोर्टल आंकड़ों को बारीकी से समीक्षा करेगा और इससे हमें विभागों की कार्यक्षमता बेहतर करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में केंद्र और राज्य में जो नई योजनाएं आएंगी, उन्हें भी इस पोर्टल में शामिल किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पोर्टल में मुख्य रूप से शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना,जल जीवन मिशन,सीजी ई डिस्ट्रिक्ट,सखी वन स्टाप सेंटर, खेलो इंडिया,धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना आदि शामिल किये गये हैं।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अटल मॉनिटरिंग पोर्टल को विकसित करने वाले चिप्स की टीम को धन्यवाद दिया और कहा कि इस पोर्टल से सीधे सीएम कार्यालय से महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की जाएगी।कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया।

## मुख्यमंत्री ने भगवान दत्तात्रेय जयंती की दी शुभकामनाएं

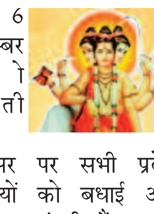

**रायपुर,25दिसम्बर 2023 (ए)।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भगवान दत्तात्रेय की 26 दिसम्बर को जयंती के अवसर पर सभी प्रदेश वासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भगवान दत्तात्रेय से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि भगवान दत्तात्रेय को ब्रम्हा, विष्णु और शिव तीनों देवताओं का अंश माना जाता है। माना गया है कि भगवान दत्तात्रेय की पूजा से तीनों देव प्रसन्न होते हैं और सुख, समृद्धि बनी रहती है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)